THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, सोमवार 23 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 29 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

ब्रीफ न्यूज

राहुल गांधी से डिबेट के लिए बीजेपी का मंडल अध्यक्ष काफी



चंडीगढ़, आरएनएन। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डिबेट चैलेंज पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से बहस करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सामने आने की जरूरत नहीं है। बीजेपी का एक मंडल अध्यक्ष ही उनसे बहस करने के लिए काफी है। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी वीडियो जारी कर बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन संसद में अपनी बात रखने की हिम्मत नहीं दिखाते। दरअसल, बीजेपी अध्यक्ष रविवार को चंडीगढ़ में बीजेपी कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी के नगर निगम चुनाव अभियान की भी शुरुआत की। नवीन ने कहा कि राहुल गांधी आते हैं, बयान देते हैं और फिर मैदान छोड़कर भाग जाते हैं।

एक साल में 3 फ्री LPG सिलेंडर देने की तैयारी में विजय सरकार



चेन्नई, आरएनएन। तमिलनाडु में पोंगल से एक साल में तीन बार मुफ्त कुकिंग गैस रिफिल देने वाली स्कीम के लिए लाभार्थी परिवारों की पहचान का काम जल्द शुरू हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, तमिलनाडु सरकार इस योजना को पोंगल त्योहार से लागू करने की तैयारी में है, जिससे लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधानसभा में बता चुके हैं कि इससे 1.30 करोड़ परिवारों को लाभ मिल सकता है और तमिलनाडु सरकार रिफिल की लागत सीधे उनके बैंक खातों में भेजेगी। बता दें कि अन्नपूर्णी सुपर 6 नाम की यह स्कीम मुख्यमंत्री विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम के उस विधानसभा चुनावी वादे का भाग है, जिसमें हर वर्ष 6 मुफ्त घरेलू एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया गया था।

फतेहपुर में सात फेरों से पहले ही लापता हो गई दुल्हन, मचा हड़कंप

फतेहपुर, आरएनएन। यूपी के फतेहपुर जिले में शादी समारोह के दौरान दुल्हन के लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बारात दरवाजे पर पहुंच चुकी थी और डीजे की धुन पर बाराती नाच रहे थे, तभी पता चला कि दुल्हन घर से गायब है। खबर मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। इसके बाद बिना खाना खाए ही बारात वापस लौट गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि गांव का ही रहने वाला युवक मासूम अहमद अपने दो भाइयों मंसूर अहमद और मंजूर अहमद के सहयोग से युवती को ले गया है। इस संबंध में दुल्हन के भाई ने हथगाम थाने में शिकायत दी है, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मुंबई एयरपोर्ट के पास बनी मस्जिद को तुरंत हटाएं : एमएमआरडीए

मुंबई, आरएनएन। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने एक बार फिर मुंबई हवाई अड्डे के ऑपरेटर को निर्देश दिया है कि वह हवाई अड्डे के पास बनी मस्जिद को तुरंत हटा दें। एमएमआरडीए ने दोहराया है कि यह ढांचा अनधिकृत है। एमएमआरडीए द्वारा मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) को दिए गए इस निर्देश के बाद सरकारी जमीन पर मस्जिद के निर्माण को लेकर चल रहा विवाद और बढ़ गया है। यह मस्जिद छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 के पास स्थित है। यह जगह मारोल में है। एमएमआरडीए ने मस्जिद के गेट पर नोटिस भी चिपका दिया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर एमआईएएल इस निर्देश का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। इस साल सितंबर में भी ऐसा ही एक निर्देश जारी किया गया था। एमएमआरडीए का यह आदेश तब आया है, जब अशबुल जन्नत एयरपोर्ट चैरिटेबल ट्रस्ट (जो इस धार्मिक ढांचे से जुड़ा है) के द्वारा जमा किए गए दस्तावेज महाराष्ट्र क्षेत्रीय और नगर नियोजन अधिनियम, 1966 के नियमों के तहत पूरे नहीं पाए गए।

जयपुर में पंचायत चुनाव में वोटों की चौंकाने वाली गणित

तीसरे नंबर की पार्टी ने बनाया बोर्ड; 43% वोट लाकर कांग्रेस ने जीती 56% सीटें

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। जयपुर में पंचायत चुनाव के रिजल्ट के आंकड़े कुछ चौंकाने वाले हैं। वोट प्रतिशत सबसे कम रहने के बावजूद तीसरी पार्टी ने पंचायत समिति में खुद का बोर्ड बना दिया। वहीं जिस पार्टी को सबसे ज्यादा वोट मिले, वह दूसरे-तीसरे नंबर पर रही।

जयपुर में 22 पंचायत समितियों में मिले वोटों की गणित देखें तो कांग्रेस ने करीब 43 फीसदी वोट लेकर 56 फीसदी सीटों पर कब्जा जमाया, जबकि भाजपा 35 फीसदी वोट लेकर भी महज 23 फीसदी सीटों पर सिमट गई।

सबसे बड़ा उलटफेर सांगानेर पंचायत समिति में हुआ। जहां वोट पाने में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) तीसरे नंबर पर रही, जबकि सीटें सबसे ज्यादा जीतकर पहले नंबर पर रही। सांगानेर में RLP को कुल 18320 वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 18872 और बीजेपी को 20941 वोट। यहां 15 सीटों में से बीजेपी को 3, कांग्रेस को 3 और आरएलपी को 8 सीटें मिली, जबकि एक अन्य के खाते में गई।

आंधी पंचायत समिति: 52% वोट से कांग्रेस ने जीती 90 फीसदी सीटें

आंधी पंचायत समिति में कांग्रेस ने 52.12 प्रतिशत (33243) वोट हासिल किए। यहां कांग्रेस को 19 में से 17 सीटें मिली। यानी करीब आधे वोटों ने कांग्रेस को लगभग 90 प्रतिशत सीटें दिला दीं।

इसी तरह जमवारामगढ़ में कांग्रेस को 49.19 प्रतिशत वोट मिले और उसने 23 में से 18 सीटें जीत लीं। बस्सी में कांग्रेस ने 46.46 प्रतिशत वोट लेकर 25 में से 18 सीटें हासिल कीं। इन क्षेत्रों में कांग्रेस की बढ़त केवल वोटों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सीटों में भी निर्णायक साबित हुई।

RLP ने पांच पंचायत समितियों में भाजपा से ज्यादा वोट लिए

आरएलपी के वोटों का एनालिसिस करें तो जयपुर में तीसरी राजनीतिक ताकत का प्रभाव कुछ खास क्षेत्रों में ज्यादा रहा। अमरसर में आरएलपी को 31.71 प्रतिशत वोट मिले, जबकि भाजपा 24.95 प्रतिशत पर रही। यहां आरएलपी ने 7 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 6 और भाजपा को 2 सीटें मिलीं।

दूदू में आरएलपी को 30.15 प्रतिशत और भाजपा को 28.21 प्रतिशत वोट मिले। फागी में आरएलपी को 25.97 प्रतिशत वोट मिले, जो भाजपा के 25.69 प्रतिशत वोट मिले। मौजमाबाद में आरएलपी का वोट शेयर 22.47 प्रतिशत और माधोराजपुरा में 20.04 प्रतिशत रहा।

महिलाओं को आरक्षण से 36 ज्यादा सीटें जीतीं

जयपुर जिले की 22 पंचायत समितियों में महिलाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण रही। जिले की पंचायत समितियों में महिलाओं के लिए 180 सीटें आरक्षित थीं, लेकिन 216 महिलाएं निर्वाचित हुईं। यानी आरक्षण की संख्या से 36 ज्यादा महिलाओं ने जीत दर्ज की। कुल 383 निर्वाचित सदस्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी 56.40 प्रतिशत है। जबकि 167 सीटों पर पुरुष रहे, जिनकी 43.60 फीसदी रही।

जयपुर में जिला-परिषद में कांग्रेस की सीटें बढ़कर हुईं 42

बीजेपी के खाते में 13 सीटें; दूदू पंचायत समिति में बना कांग्रेस का बोर्ड



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर जिले में पंचायत चुनाव के पुनर्मतदान रविवार को हुए। इसके बाद परिणाम आए। जयपुर में 2 जिला परिषद के वार्डों और तीन पंचायत समितियों के एक-एक वार्डों में वोटिंग करवाई गई। इसके रिजल्ट घोषित किए गए। इस परिणाम के साथ ही दूदू पंचायत समिति में कांग्रेस का बोर्ड बन गया।

रिजल्ट में जयपुर जिला परिषद के वार्ड नंबर 13 से भाजपा की बादाम देवी, जबकि वार्ड नंबर 52 से कांग्रेस के कालूराम शर्मा ने जीत दर्ज की। इन रिजल्ट के बाद जयपुर जिला परिषद के सभी 57 सीटों की स्थिति क्लियर हो गई। सभी 57 में से कांग्रेस को 42 सीटें, जबकि बीजेपी को 13 सीटें मिली, जबकि 2 सीटों पर आरएलपी ने जीत दर्ज की है।

चौमूं में बीजेपी, शाहपुरा में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत

चौमूं पंचायत समिति वार्ड 25 के बूथ नं. 142 पर पुनर्मतदान होने के बाद जारी रिजल्ट में बीजेपी की आंची यादव ने जीत दर्ज की।

शाहपुरा पंचायत समिति के वार्ड 6 के बूथ नं. 34 पर हुए पुनर्मतदान के बाद यहां आए रिजल्ट में कांग्रेस के मक्खन लाल मीणा ने जीत दर्ज की। जबकि पंचायत समिति दूदू के वार्ड संख्या 6 के बूथ संख्या 62 पर वोटिंग करवाई गई, जहां कांग्रेस प्रेम ने जीत दर्ज की।

दूदू में कांग्रेस ने जीत दर्ज की। इसके साथ ही दूदू पंचायत समिति में भी कांग्रेस का बोर्ड बन गया। यहां 15 में से 7 सीटें कांग्रेस के नाम हो गई।

आज कांग्रेस और सपा नेता करेंगे सीटों का फैसला

नई दिल्ली, आरएनएन। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सीट बंटवारे को लेकर कमेटी बनाई है।

सीटों की बातचीत शुरू होने से ठीक पहले सपा ने अपनी चार सदस्यीय कमेटी का ऐलान कर दिया है, जबकि कांग्रेस पहले ही पांच नेताओं की टीम बना चुकी है। सोमवार को दोनों दलों की मीटिंग नई दिल्ली में होने की संभावना है। सपा ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के तहत सीट समझौते की बातचीत करने के लिए पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है। इस कमेटी में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद राजीव राय और सांसद इकरा हसन चौधरी को शामिल किया गया है। सपा की तरफ से यही नेता कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा करेंगे। वहीं कांग्रेस की तरफ से पांच सदस्यीय कमेटी पहले से बनाई जा चुकी है। इसमें कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद शामिल हैं।

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में होगा मंथन

न्यायपालिका की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में हुए शामिल



नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लोकतंत्र और कानून के शासन की बुनियाद बताते हुए कहा कि इससे किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि जब सत्ता के मुताबिक कानून और न्यायिक प्रक्रिया को मोड़ा जाने लगता है, तब न्याय व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो जाती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निष्पक्ष सुनवाई और अपील का अधिकार महज कानूनी औपचारिकताएं नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण व्यवस्था की पहचान हैं। जस्टिस विश्वनाथन गत दिवस नई दिल्ली में अधिवक्ता आकाश वाजपेयी की पुस्तक 'फ्रीडम ऑन ट्रायल' के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह किताब सिर्फ आजादी की लड़ाई के दौरान हुए ऐतिहासिक मुकदमों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि मौजूदा दौर के लिए भी कई अहम संदेश देती है।

जरूरत पड़ी तो फिर मुख्यमंत्री बन सकता हूं



जयपुर, आरएनएन। राजस्थान के पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस को शानदार जीत मिली है। इस बीच, तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत ने सीएम पद को लेकर बयान दिया है।

गहलोत ने कहा है कि उन्हें चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है लेकिन अगर पार्टी चाहे, तो वे इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए तैयार हैं। राजस्थान में 2028 के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। अशोक गहलोत इन दिनों लगातार दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। गहलोत ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं, मुझे किसी की तरफ से कोई संकेत नहीं मिला है और न ही इस बारे में कोई चर्चा हुई है। मैं बैठकों और काम के सिलसिले में दिल्ली जाता रहता हूं। मैं 50 साल या उससे भी ज्यादा समय से दिल्ली जा रहा हूं। मैं यहां (जयपुर में) बहुत खुश हूं, चाहे मुझे कोई पद मिले या ना मिले।

NDRF के हाईटेक सेंटर का अमित शाह ने किया उद्घाटन

पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों की एसडीआरएफ को दिया जाएगा प्रशिक्षण

● ईटानगर



अरुणाचल प्रदेश के होलोंगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एनडीआरएफ की 12वीं बटालियन के परिसर का उद्घाटन किया। भूकंपरोधी तकनीक से तैयार यह अत्याधुनिक परिसर पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के लिए आपदा प्रबंधन और प्रशिक्षण का बड़ा केंद्र बनेगा। यहां अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों की राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस केंद्र का उद्देश्य भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना है। उद्घाटन समारोह में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, एनडीआरएफ के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज एनडीआरएफ की 12वीं बटालियन का औपचारिक उद्घाटन किया जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि अरुणाचल प्रदेश और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति बेहद संवेदनशील है। यह पूरा परिसर और इसकी सभी इमारतें भूकंप-रोधी मानकों के अनुरूप बनाई गई हैं।

इस तरह, प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ बचाव की पहली पंक्ति यहीं से शुरू होती है, जो हमारी 12वीं बटालियन की सुविधाओं के जरिए काम करेगी। यह परिसर एक सुरक्षा केंद्र के रूप में काम करेगा, न केवल अरुणाचल प्रदेश और पूरे पूर्वोत्तर के लिए, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी और यहां इस क्षेत्र के सभी आठ राज्यों की स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पंजाब के रिटायर्ड IAS-IPS समेत कई अफसरों को समन

चंडीगढ़, आरएनएन। पंजाब में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई मौजूदा और रिटायर्ड अधिकारियों को समन भेजा है। इनमें आईएएस और आईपीएस अफसर भी शामिल हैं। इन सभी से सस्पेंड डीआईजी

डीआईजी भुल्लर केस में ईडी का बड़ा एक्शन

हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी भुल्लर के करीबी सहयोगी कृष्णानु शारदा से इन अफसरों के कथित संबंधों की जांच कर रही है। शारदा को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। ईडी ने सभी अधिकारियों को चंडीगढ़ स्थित अपने दफ्तर में 23 से 27 नवंबर के बीच पेश होने के लिए कहा है। ईडी का यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज है। इसकी जांच दो सीबीआई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। इन एफआईआर में डीआईजी भुल्लर और उनके सहयोगियों पर रिश्वत लेने और आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप हैं।

दिल्ली में पॉल्यूशन से निपटने जिला स्तर पर बनेगी योजना

● नई दिल्ली,



दिल्ली एनसीआर के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने पहली बार दिल्ली और अन्य एनसीआर राज्यों को एयर पॉल्यूशन से निपटने के लिए जिला स्तरीय कार्य योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया है। इसमें 2026 की तुलना में 2027 तक सालाना औसत पॉल्यूशन लेवल को 15 से 20 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है।

आयोग ने ये निर्देश ऐसे समय में दिए हैं जब एनसीआर राज्यों की राज्य एक्शन प्लान्स के तहत करीब आधे एक्शन पॉइंट्स को असंतोषजनक माना गया है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक एनवायरोकैटलिस्ट्स के संस्थापक सुनील दहिया ने कहा कि जवाबदेही तय करने की दिशा में जिला-स्तरीय योजना बनाना एक अहम कदम है।

सीएक्यूएम ने दिल्ली-एनसीआर राज्यों को जारी किए निर्देश

2027 के लिए बनाएं एक्शन प्लान : कमीशन

शुक्रवार को जारी निर्देशों में, कमीशन ने दिल्ली और एनसीआर राज्यों से कहा कि वे जिला स्तर पर 2027 के लिए एक्शन प्लान तैयार करें। इन प्लान में ठोस उपाय, मापने योग्य लक्ष्य, समय-सीमा और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान की जानी चाहिए, ताकि हवा की क्वालिटी में सुधार किया जा सके। हर एक्शन पॉइंट के लिए उसे लागू करने वाले विभाग या एजेंसी की पहचान होनी चाहिए। साथ ही, प्रगति की निगरानी के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारी का नाम, पद और नंबर भी दिया जाना चाहिए। सीएक्यूएम ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे नगर निगमों, जिला आयुक्तों, जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों को तुरंत तैयारियां शुरू करने का निर्देश दें। इन योजनाओं को 5 दिसंबर तक आयोग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए जमा करना होगा।

सादगी की मिसाल | सरकारी जिम्मेदारियां पूरी करने के बाद हुई इस शादी की पूरे प्रदेश में है चर्चा

उत्तराखंड में दो एसडीएम ने मंदिर में रचाई शादी



चमोली आरएनएन। उत्तराखंड के दो युवा पीसीएस अधिकारियों ने सादगी और सामाजिक संदेश की मिसाल पेश करते हुए मंदिर में विवाह किया है। चमोली जिले के कर्णप्रयाग के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अकलेश नौडियाल और अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण की उपजिलाधिकारी यक्षी अरोड़ा शनिवार को कर्णप्रयाग स्थित उमा देवी मंदिर में वैवाहिक बंधन में बंध गए। बिना किसी तामझाम, भव्य आयोजन या दिखावे के संपन्न हुए इस विवाह की चर्चा पूरे उत्तराखंड में हो रही है।

जानकारी के अनुसार, उत्तरकाशी जिले के पुरोला क्षेत्र के रहने वाले अकलेश नौडियाल वर्तमान में चमोली जिले के कर्णप्रयाग में एसडीएम के पद पर तैनात हैं। वहीं काशीपुर निवासी यक्षी अरोड़ा अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण में एसडीएम के रूप में सेवाएं दे रही हैं। दोनों अधिकारी उत्तराखंड पीसीएस के 2023 बैच के अधिकारी हैं। दोनों अधिकारियों ने अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अवसर को सादा और गरिमामय बनाने का निर्णय लिया। विवाह समारोह में केवल दोनों परिवारों के चुनिंदा सदस्य और करीबी लोग ही शामिल हुए। मंदिर परिसर में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न हुआ। इस सादगीपूर्ण विवाह की पूरे उत्तराखंड में चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि आज के दौर में शादियों में लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। ऐसे समय में दो प्रशासनिक अधिकारियों ने सादगी को प्राथमिकता देकर एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्थानीय लोग और सोशल मीडिया पर कई लोग इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक कदम बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े अधिकारियों द्वारा की गई ऐसी सादगीपूर्ण पहल समाज में सकारात्मक संदेश देती है।

एक रात में की गई शादी की तैयारियां

दिलचस्प बात यह है कि अकलेश नौडियाल ने अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। 14 से 20 नवंबर तक आयोजित ऐतिहासिक गौचर मेले में उन्होंने मेलाधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। मेले की व्यवस्थाएं पूरी होने के बाद ही उन्होंने विवाह का फैसला किया। बताया जा रहा है कि मेले का दायित्व समाप्त होने के बाद महज एक रात में शादी की तैयारियां की गई और अगले ही दिन दोनों सात फेरों के बंधन में बंध गए। इसे उनकी कार्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में भी देखा जा रहा है।

चमोली में पहले भी बन चुकी है मिसाल: चमोली जिले में इससे पहले भी सादगीपूर्ण विवाह की मिसाल देखने को मिल चुकी है। पूर्व जिलाधिकारी आईएएस संदीप तिवारी ने भी गोपेश्वर स्थित प्रसिद्ध गोपीनाथ मंदिर में सीमित पारिवारिक उपस्थिति के बीच विवाह किया था। उस समय भी उनकी सादगीभरी शादी की प्रदेशभर में सराहना हुई थी। अब अकलेश नौडियाल और यक्षी अरोड़ा की शादी भी इसी वजह से चर्चा में है कि उन्होंने अपने निजी जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अवसर को सादगी, संस्कार और सामाजिक संदेश से जोड़ दिया। उनकी यह शादी न केवल उत्तराखंड में चर्चा का विषय बनी हुई है, बल्कि युवाओं के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण के रूप में देखी जा रही है।

हिन्दी समाचार पत्र

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

जयपुर अपडेट

गुलाबी शहर की हर खबर

| Digital Edition |

RJHIN/25/A4779

सोमवार, 23 नवंबर, 2026

प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजनों की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली बैठक

8 से 10 दिसंबर तक शेखावाटी हेरिटेज, सांस्कृतिक संध्या और प्रवासी राजस्थानी दिवस के होंगे विशेष आयोजन



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। प्रवासी राजस्थानी दिवस के उपलक्ष्य में 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विशेष आयोजनों की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय में बैठक ली। उन्होंने आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इनके सुव्यवस्थित आयोजन तथा राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और निवेश की संभावनाओं को लेकर चर्चा की।

तीन दिवसीय आयोजनों में शेखावाटी हेरिटेज, सांस्कृतिक संध्या और प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रमुख आकर्षण होंगे। यह कार्यक्रम भारतीय उद्योग संघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। इन आयोजनों के माध्यम से राजस्थान को वैश्विक निवेश, औद्योगिक साझेदारी, पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय संपर्क के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

तीन दिवसीय आयोजनों की शुरुआत 8 दिसंबर को झुंझुनूं जिले के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में आयोजित होने वाले शेखावाटी हेरिटेज कार्यक्रम से होगी। इसके माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों, विशिष्ट स्थापत्य कला, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की अपार संभावनाओं को वैश्विक पहचान दिलाने पर विशेष जोर रहेगा। यह पहल क्षेत्र की विरासत को पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। इसी क्रम में 9 दिसंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। इसमें राजस्थान फाउंडेशन के 25 देशों में कार्यरत अध्यक्षों का स्वागत किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को अपनी माटी, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजनों का प्रमुख आकर्षण 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस पर जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। कार्यक्रम में उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, प्रवासी राजस्थानी, खनन और नगरीय विकास सहित छह प्रमुख क्षेत्रों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में संबंधित क्षेत्रों की निवेश संभावनाओं, नीतिगत अवसरों, औद्योगिक विकास और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा होगी। इस आयोजन में देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित उद्योगपतियों और निवेशकों के शामिल होने की संभावना है। उनकी सहभागिता से राजस्थान में औद्योगिक निवेश, व्यावसायिक साझेदारी और नए आर्थिक अवसरों को लेकर संवाद को महत्वपूर्ण मंच मिलेगा।

इन आयोजनों के जरिए राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति, पर्यटन क्षमता, औद्योगिक विकास और निवेश की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश के विकास से जोड़ने और वैश्विक स्तर पर राजस्थान की विशिष्ट पहचान को मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

जयपुर में पाइपलाइन ठीक करने गए कर्मचारियों को बंधक बनाया:चोर बताकर गाली-गलौज और मारपीट की, गेती से मारने की धमकी दी

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। जयपुर के पानी की पाइपलाइन ठीक करने गए कर्मचारियों को कॉलोनी के लोगों ने बंधक बना लिया। कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। गैती से मारने की धमकी दी मोबाइल भी छीनने की कोशिश की। इसका वीडियो भी सामने आया है।मामला मुरलीपुरा के 4-ष्ट जमनापुरी में राजस्थान टेंट हाउस के पास का शनिवार दोपहर 3:55 बजे का है। पीड़ित ठेका कंपनी के सुपरवाइजर हंसराज रविवार को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। ठेका जलकर्मियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है।

पानी की लाइन ठीक करने पहुंचे थे कर्मचारी

पुलिस ने बताया- मुरलीपुरा 4-ष्ट जमनापुरी में कई दिनों से पानी नहीं आने की शिकायत पर जलदाय विभाग के मुरलीपुरा सब-डिवीजन के अधीन फर्म गीता इंटरप्राइजेज के सुपरवाइजर हंसराज दो कर्मचारियों मुनेष और प्रेमप्रकाश के साथ पानी की लाइन ठीक करने पहुंचे थे।कर्मचारियों ने सड़क पर खुदाई कर पानी की लाइन को ठीक किया। काम पूरा होने के बाद कर्मचारी जब खोदा गया गड्ढा भर रहे थे, तभी दिनेश कोठारी, अनिल भामू और सुरेंद्र भामू सहित कुछ लोग वहां पहुंच गए।

कर्मचारियों से गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

जयपुर जिला जलकर्मी अध्यक्ष राजपाल भार्गव ने बताया- लोगों ने कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की। सुपरवाइजर हंसराज का कॉलर पकड़कर उसके साथ धक्का-मुक्की की। कर्मचारियों को चोर बताते हुए कॉलोनी में आने पर सवाल उठाए।

यूनियन ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

घटना के विरोध में जयपुर जिला ठेका जलकर्मी यूनियन ने नाराजगी जताई है। यूनियन अध्यक्ष राजपाल शर्मा, महामंत्री जयप्रकाश, कार्यकारी अध्यक्ष हजारीलाल, प्रवक्ता कालूराम सैनी और कोषाध्यक्ष सोनूराम सैनी ने कर्मचारियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की निंदा की। यूनियन पदाधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों को न्याय नहीं मिला और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई।

अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस चैंपियनशिप 2026 में राजस्थान पुलिस ने जीता रजत पदक; डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने दी बधाई

बेंगलुरु में 16 से 21 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता के मिक्स्ड डबल्स वर्ग में आईपीएस राजेंद्र सिंह सिसोदिया और वंदिता राणा की जोड़ी बनी उपविजेता

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर, कैबिनेट मंत्री रिजवान और डीजीपी कर्नाटक ने प्रदान किए पदक

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। बेंगलुरु में 16 से 21 नवंबर 2026 तक आयोजित ऑल इंडिया पुलिस लॉन टेनिस चैंपियनशिप-2026 में राजस्थान पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। प्रतियोगिता के मिश्रित युगल (मिक्स्ड डबल्स) वर्ग में राजस्थान पुलिस के आईपीएस अधिकारी राजेन्द्र सिंह सिसोदिया और वंदिता राणा की जोड़ी ने उपविजेता रहते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, टीम भावना और दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान पुलिस को गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता के दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री श्री जी. परमेश्वर, कैबिनेट मंत्री श्री रिजवान तथा पुलिस महानिदेशक, कर्नाटक द्वारा पदक प्रदान किए गए।

डीजीपी ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने इस शानदार उपलब्धि पर आईपीएस राजेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं वंदिता राणा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल करना राजस्थान पुलिस के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। दोनों अधिकारियों ने अपनी खेल प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन और टीम भावना से प्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाया है।

डीजीपी श्री शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान पुलिस का नाम रोशन करते रहेंगे।

राहुल गांधी 9 दिसंबर को आएंगे जयपुर, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों का 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप; मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे उद्घाटन

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। राहुल गांधी 9 दिसंबर को जयपुर आएंगे। 30 नवंबर को जयपुर में कांग्रेस के नए राष्ट्रीय सचिवों के 10 दिन के ट्रेनिंग कैंप की शुरुआत होगी।ट्रेनिंग कैंप का उद्घाटन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे, जबकि समापन सत्र में राहुल गांधी शामिल होंगे। जयपुर ट्रेनिंग कैंप में खड़गे और राहुल गांधी के आने का कार्यक्रम फाइनल किया जा चुका है।कांग्रेस के सीनियर लीडर नए राष्ट्रीय सचिवों को 10 दिन तक ट्रेनिंग देंगे। कांग्रेस ने 19 नवंबर को ही 81 नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए हैं। इसमें नए राष्ट्रीय सचिवों को राज्यों में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी है।

ट्रेनिंग कैंप की तैयारियां देखने 25 को जयपुर आएंगे केसी वेणुगोपाल

बाड़ा पदमपुरा में ट्रेनिंग कैंप के लिए कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी है। ट्रेनिंग कैंप की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल 25 नवंबर को जयपुर आएंगे।बाड़ा पदमपुरा में पहले भी कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के ट्रेनिंग कैंप हो चुके बाड़ा पदमपुरा में पहले भी कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के ट्रेनिंग कैंप हो चुके हैं। साल 2003 में कांग्रेस का 3 दिन का नेशनल ट्रेनिंग कैंप हुआ था। उस समय सोनिया गांधी सहित सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। कांग्रेस के प्रादेशिक स्तर के कई ट्रेनिंग कैंप भी यहां होते रहे हैं।

राष्ट्रीय सचिवों को संगठन से लेकर सियासत तक के गुर सिखाएंगे दिग्गज नेता

कांग्रेस में नए पदाधिकारियों को राज्यों में जिम्मेदारी संभालने से पहले ट्रेनिंग देने का नया प्रयोग शुरू किया गया है। कांग्रेस ट्रेनिंग सेल हर साल कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग कैंप लगाती रही है।इससे पहले माउंट आबू में ट्रेनिंग कैंप हुआ था। इन ट्रेनिंग कैंपों में चुनिंदा नेताओं को ही बुलाया जाता है। अन्य नेताओं को एंट्री नहीं दी जाती है। 10 दिन तक चलने वाले इस कैंप में राष्ट्रीय सचिवों को संगठन को मजबूत करने से लेकर कांग्रेस के पक्ष में सियासी नरेटिव तैयार करने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

81 नए राष्ट्रीय सचिव बनाए, इनमें 6 राजस्थान से

कांग्रेस ने 19 नवंबर को 81 नए राष्ट्रीय सचिव बनाए हैं, इनमें से 6 राजस्थान से हैं। राजस्थान से बनाए गए राष्ट्रीय सचिवों में हेम सिंह शेखावत, रेहाना रियाज, धीरज गुर्जर, डूंगरराम गेदर, दानिश अबरार और जगदीश जांगिड़ शामिल हैं।

जयपुर में टोल-प्लाजा पर फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार:अवैध पिस्टल बरामद, बिना नंबर की बोलेरो कैंपर से तोड़ा था टोल बैरियर

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। जयपुर में रिंग रोड स्थित सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस को आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में सांगानेर सदर थाना पुलिस और डीएसटी साउथ की टीम ने कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल भी बरामद की हैं। वारदात में इस्तेमाल बोलेरो कैंपर गाड़ी को पुलिस पहले ही जब्त कर चुकी है। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि 19 नवंबर की रात सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर बिना नंबर की बोलेरो कैंपर लेकर पहुंचे बदमाशों ने टोल बैरियर तोड़ दिया था। इसके बाद टोल कर्मचारियों को डराने और जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दहशत फैला दी थी।

दो आदतन अपराधियों को किया गिरफ्तार

घटना के बाद सांगानेर सदर थाना पुलिस और डीएसटी साउथ की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 19 नवंबर को ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनराज गुर्जर उर्फ डीके गुर्जर (36) निवासी सूरजपुरा, सांगानेर सदर और बनवारी मीणा उर्फ बन्नू चांदा (24) निवासी थूणी मंगलदास, कोटखावदा के रूप में हुई है।

दोनों के पास मिली एक-एक अवैध पिस्टल

पुलिस जांच के दौरान धनराज गुर्जर की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई अवैध पिस्टल बरामद की गई। वहीं, उसके साथी बनवारी मीणा के कब्जे से भी एक अन्य अवैध पिस्टल मिली। पुलिस ने अवैध हथियारों की बरामदगी के संबंध में दोनों आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामला दर्ज किया है।

सांगानेर सदर थाना प्रभारी कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की सूचना पर पुलिस टीम उन्हें पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर लेकर पहुंची। यहां वारदात की तस्दीक करवाई गई और मौका मुआयना किया गया। पुलिस अब आरोपियों से अन्य आपराधिक वारदातों में उनकी संलिप्तता और अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

शेखावत बोले-पंचायत चुनावी नतीजे पार्टी के लिए आत्ममंथन का अवसर, केंद्रीय योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने में कहां चूके, भाजपा करेगी आकलन

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव के नतीजों को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा के लिए आत्मावलोकन का अवसर बताया है। शेखावत ने कहा कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद पंचायत चुनावों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलना भारतीय जनता पार्टी के लिए आत्मावलोकन का अवसर है।

उन्होंने कहा कि पार्टी इस बात का आकलन करेगी कि केंद्र सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ जनता तक पहुंचाने में कहां कमी रही और और सरकार के कामकाज का संदेश आम लोगों तक प्रभावी ढंग से क्यों नहीं पहुंच पाया। चुनाव परिणामों के आधार पर इन कमियों की समीक्षा की जाएगी। यह समीक्षा केवल प्रदेश स्तर पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर, जिला स्तर और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर भी की जाएगी। इसके बाद जयपुर में भी इस पर विस्तृत मंथन होगा।रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय और एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए शेखावत ने कहा किभारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है, जो चुनाव में जीत मिलने पर भी और हार होने पर भी समान रूप से परिणामों की समीक्षा करती है।शेखावत ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता और नेता किसी चुनावी परिणाम से निराश होकर बैठने वाले नहीं हैं। भाजपा का राजनीतिक सफर दो सीटों से शुरू होकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने तक पहुंचा है। ऐसे में किसी एक चुनाव का परिणाम पार्टी के आत्मविश्वास और संकल्प को प्रभावित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए चुनावी नतीजे केवल जीत और हार का आंकड़ा नहीं होते, बल्कि उनसे सीख लेकर आगे की रणनीति तैयार करने का अवसर भी मिलता है।

डबल इंजन की सरकार के बावजूद ऐसा रिजल्ट गंभीरता का विषय

शेखावत ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन सरकार होने के बावजूद पंचायत चुनावों में अपेक्षित परिणाम नहीं।

पुष्कर मेला 2026

रेगिस्तान के रंगों में जीवंत हो रही राजस्थान की संस्कृति और परंपरा

सजे-धजे ऊंटों और विदेशी सैलानियों के आकर्षण से गुलजार हुआ पुष्कर मेला





द अनकवर्ड अपडेट

पुष्कर / जयपुर। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का प्रतीक विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला 2026 अपने अनूठे रंगों के साथ इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 17 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित हो रहे इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक, श्रद्धालु और पशुपालक पहुंच रहे हैं। पुष्कर की रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट, घोड़े, रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकें और संगीत की गूंज यहां आने वाले लोगों को राजस्थान की असली संस्कृति से रूबरू करा रही है।

पुष्कर मेला पशुओं की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की लोक कला, परंपरा, खानपान व्यापार और धार्मिक विरासत का अनूठा संगम है। मेले में राजस्थान के अलग-अलग जिलों से पशुपालक अपने ऊंट, घोड़े और अन्य पशुओं के साथ पहुंच रहे हैं। ऊंटों को आकर्षक आभूषणों, रंगीन कपड़ों और पारंपरिक डिजाइनों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं। पुष्कर अपने खास खानपान के लिए भी मशहूर है। यहां रबड़ी मालपुआ, खस्ता कचौड़ी..दाल-बाटी चूरमा और ऊंटनी के दूध की चाय खासतौर पर लोगो के स्वाद का केन्द्र बनी हुई हैं.

पुष्कर सरोवर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, स्थानीय व्यापारियों और पर्यटन कारोबार को मिल रहा बढ़ावा–

मेले का धार्मिक पक्ष भी बेहद खास है। पुष्कर सरोवर के घाटों पर अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। यहाँ 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विशेष स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। शाम के समय सरोवर के घाटों पर होने वाली महाआरती श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगी। पुष्कर मेले से स्थानीय व्यापारियों, हस्तशिल्प कलाकारों, होटल संचालकों और छोटे दुकानदारों को भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। मेले में राजस्थानी आभूषण, पारंपरिक कपड़े, हस्तनिर्मित वस्तुएं और स्थानीय खान-पान की दुकानों पर पर्यटकों की अच्छी चहल-पहल देखने को मिल रही है।

पुष्कर मेले में करोड़ो के घोड़े की चर्चा–

पुष्कर मेले में घोड़े लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल रेट कार्ड और लोगों के बीच हो रही चर्चाओं में कुछ घोड़ों की कीमत करोड़ो रुपये तक बताई जा रही है। इन घोड़ों की खूबसूरती और कद-काठी देखने के लिए राजस्थान के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंच रहे हैं।

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।
कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।
पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

जवाहर फाउंडेशन के पल्स पोलियो बूथ कैंप में उमड़ा जनसहयोग, 297 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

बच्चों को बिस्कुट, खिलौने एवं कलर पेंसिल किट वितरित कर बढ़ाया उत्साह, बूथ संख्या 101 को टेंट और रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया

कुंभा सर्किल पर आयोजित विशेष शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य के साथ मनोरंजन और खुशियों का भी रखा गया विशेष ध्यान, अभिभावकों ने जवाहर फाउंडेशन की पहल को सराहा

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा। जवाहर फाउंडेशन द्वारा CMHO कार्यालय के सहयोग से रविवार को भीलवाड़ा के कुंभा सर्किल स्थित बूथ संख्या 101 पर पल्स पोलियो अभियान के तहत विशेष पोलियो बूथ कैंप का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 297 नन्हे-मुन्ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर उन्हें पोलियो से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। शिविर को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों और अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बूथ पर आकर्षक व्यवस्थाएं की गई।
इस बार जवाहर फाउंडेशन ने पोलियो अभियान को केवल दवा पिलाने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे बच्चों के लिए खुशियों और उत्साह से भरा एक यादगार आयोजन बनाने का भी प्रयास किया। बूथ संख्या 101 पर विशेष रूप से टेंट लगवाकर पूरे परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। बच्चों के स्वागत और उनके उत्साहवर्धन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई, जिससे बूथ पर पहुंचने वाले बच्चों में खासा उत्साह नजर आया।





हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाने की अनूठी पहल

शिविर में पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ सभी बच्चों को जवाहर फाउंडेशन की ओर से बिस्कुट, खिलौने एवं कलर पेंसिल किट भी वितरित की गई। बच्चों को उपहार स्वरूप ये सामग्री मिलने से उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। खिलौने और कलर पेंसिल किट के माध्यम से बच्चों का मनोरंजन करने के साथ उन्हें प्रोत्साहित भी किया गया। इस पहल ने पोलियो बूथ को बच्चों के लिए एक खुशनुमा और आकर्षक स्थान बना दिया।
जवाहर फाउंडेशन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों तक पोलियो की खुराक पहुंचाना, अभिभावकों को जागरूक करना तथा स्थानीय नागरिकों को उनके नजदीक ही पोलियो बूथ की सुविधा उपलब्ध कराना था। कुंभा सर्किल पर आयोजित इस विशेष बूथ से आसपास के क्षेत्रों के अभिभावकों को काफी सहूलियत मिली। अभिभावकों ने कहा कि नजदीक ही आकर्षक व्यवस्थाओं के साथ बूथ उपलब्ध होने से उन्हें अपने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ा। उन्होंने बच्चों को उपहार वितरित करने की पहल की भी सराहना की।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने किया बूथ का निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद नीरज छीपा, अनिल जी एवं निसार सिलावट तथा यूनेस्को से गोपाल जी माली उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पोलियो बूथ का निरीक्षण किया तथा टेंट, रंग-बिरंगे गुब्बारों और बच्चों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई और अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी टीकाकरण एवं सुरक्षा अभियान से जोड़ने की अपील की।

जवाहर फाउंडेशन एवं CMHO टीम ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

इस विशेष आयोजन को सफल बनाने में जवाहर फाउंडेशन की टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। फाउंडेशन की ओर से वैभव जोशी, चिराग टेलर, सुनील झा, प्रभु झा एवं अनुराधा झा ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दीं। वहीं CMHO कार्यालय की टीम से प्रियांशु सेन एवं अदनान रंगरेज ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

297 बच्चों तक पहुंची पोलियो सुरक्षा की खुराक

जवाहर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में 297 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाना आयोजन की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। स्वास्थ्य सेवा के साथ बच्चों के मनोरंजन, प्रोत्साहन और अभिभावकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखकर फाउंडेशन ने सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।
जवाहर फाउंडेशन की इस पहल ने यह संदेश दिया कि जनस्वास्थ्य से जुड़े अभियानों को जनभागीदारी, जागरूकता और संवेदनशील प्रयासों के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बच्चों को बिस्कुट, खिलौने एवं कलर पेंसिल किट वितरित करना तथा बूथ संख्या 101 को टेंट और गुब्बारों से सजाना आयोजन को विशेष पहचान देने वाला रहा।
फाउंडेशन ने भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सकारात्मक बदलाव पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति एवं भण्डारा आज

द अनकवर्ड अपडेट

हलैना। श्री गुरूमाया भगत जी भक्त मण्डल एवं सिद्व पुरूष स्वर्गीय रंगली भगत महाराज के शिष्यों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की आस्था से भरपूर क्रीडास्थली श्री गिरिराज धरण धाम पूंछरी का लोठा स्थित श्री गुरूमाया भगत जी आश्रम पर महात्यागी सन्त बालकदास महाराज एवं सन्त साधू बाबा के सानिध्यं में 20 नवम्बर चल रहे रामायण पाठ,श्रीराम यज्ञ,भजन सध्यां,सन्त समागम,मानव सेवा,सन्त सेवा,गौवंश सेवा आदि धार्मिक कार्यक्रम का 23 नवम्बर को समापन होगा,कार्यक्रम के अन्तिम दिन सन्त दर्शन,यज्ञ की पूर्णाहुति,विशाल भण्डारा होगा। यह जानकारी श्री गुरूमाया भगत जी भक्त मण्डल के सदस्यों ने दी।



आस्था से भरपूर पंचमुखी हनुमान मन्दिर

हलैना में 24 को अन्नकूट महोत्सव

द अनकवर्ड अपडेट

हलैना (विष्णु मित्तल) श्री पंचमुखी हनुमान भक्त मण्डल के द्वारा हलैना-नदबई वाया पाली सडक मार्ग स्थित आस्था से भरपूर श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर पर महन्त बाबूलाल सैनी के सानिध्यं में 24 नवम्बर को अन्नकूट महोत्सव-2026 का आयोजन होगा,जिसकी तैयारियां जारी है। सेवक विजयसिंह हवलदार ने बताया कि 24 नवम्बर को हलैना-पाली के मध्य स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर पर अन्नकूट महोत्सव मनाया जा रहा है,जिसमें कस्बा हलैना सहित गांव पाली,नयागांव माफी,नगला नयागांव माफी,बेबर,नसवारां,सरसैना,पीरी आदि गांवों के भक्त लोग एवं सन्त शामिल होंगे।



डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का अभिनंदन



द अनकवर्ड अपडेट

हलैना/आगरा। कस्बा उच्चैन के निवासी आगरा के प्रमुख सर्राफा के व्यापारी ,भामाशाह धर्मगोपाल मित्तल ने आगरा में उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री यशस्वी बृजेश पाठक का अभिनंदन कर स्वागत किया। मित्तल ने भरतपुर, डीग जिले को यमुना नदी का पानी तथा आगरा भरतपुर के मध्य हवाई अड्डे की मांग की और बृज अंचल की समस्याओं से अवगत कराया।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।
सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड: 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।
यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता। हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के लिए याद किया जाएगा।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया

मुंबई, एजेंसी । दक्षिण मुंबई में रविवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजीवन सोसाइटी के पास गिलदार लेन स्थित हीरा मंजिल इमारत की दूसरी मंजिल के एक कमरे में आधी रात के आसपास आग लगी और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को 'टर्नटेबल लैडर' की मदद से बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि चौथी मंजिल के एक कमरे में मौजूद एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते निकाला गया।

तमिलनाडु में वीएस बाबू के निधन से खाली हुई कोलाथुर सीट से स्टालिन लड़ेंगे चुनाव?

-डीएमके के नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा स्टालिन दोबारा इस क्षेत्र से मैदान में उतरें

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना के चलते राजनीति हलचल तेज हो गई है। इस सीट से विधायक रहे वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन एक बार फिर इसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा चुनाव में वीएस बाबू ने स्टालिन को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था।
कोलाथुर सीट लंबे समय तक एमके स्टालिन का मजबूत राजनीतिक क्षेत्र रही है। वह 2011 से लगातार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने उन्हें 8,795 मतों से पराजित कर दिया था। इस हार के साथ स्टालिन का लगातार जीत का सिलसिला टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट फिर से चुनावी मुकाबले का केंद्र बन गई है। डीएमके के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि स्टालिन उपचुनाव में दोबारा इस सीट से मैदान में उतरें। पार्टी के सांसद सी रविंद्रन ने भी कहा है कि कार्यकर्ता अपने नेता



को कोलाथुर से चुनाव लड़ते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला स्टालिन को ही करना है। आगामी उपचुनाव डीएमके और टीवीके दोनों के लिए अहम माना जा रहा है। डीएमके के पास इस सीट के जरिए अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने का अवसर होगा। यदि स्टालिन खुद चुनाव लड़ते हैं और उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ता है, तो इसका राजनीतिक असर उनकी पार्टी पर पड़ सकता है। दूसरी ओर टीवीके के लिए अपनी पिछली जीत को दोहराना चुनौती होगी। विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद उपचुनाव से यह भी पता चलेगा कि विजय की पार्टी अपना जनसमर्थन बनाए रखने में कितनी सफल रही।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

मुनाफा बढ़ा, लेकिन कर्मचारियों की जेब क्यों खाली?

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ केवल कंपनियों के बढ़ते कारोबार, शेयर बाजार की तेजी या सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में सुधार से नहीं लगाया जा सकता। किसी अर्थव्यवस्था की मजबूती का असली पैमाना यह है कि उसकी समृद्धि का लाभ समाज के कितने लोगों तक पहुंच रहा है। यदि उद्योगों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा हो, सरकार उन्हें करों में रियायतें दे रही हो और इसके बावजूद रोजगार के अवसर तथा कर्मचारियों की आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही हो, तो विकास की इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी सामने आना चाहिए। यही सवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग जगत के सामने उठाया है। यह सवाल केवल कंपनियों की व्यावसायिक नीतियों का नहीं, बल्कि उस आर्थिक व्यवस्था की जवाबदेही का भी है, जिसमें सार्वजनिक संसाधनों और सरकारी रियायतों का लाभ निजी क्षेत्र को दिया जाता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों से पूछा कि सरकार की ओर से करों में रियायतें दिए जाने के बावजूद कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या और उनके वेतन में उसी अनुपात में बढ़ोतरी क्यों नहीं की ? उन्होंने यह भी संकेत दिया कि सरकारी सुविधाओं का उपयोग उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और भारतीय उत्पादों को विश्वस्तरीय बनाने में होना चाहिए। प्रधानमंत्री का यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उद्योग जगत को मिलने वाली सुविधाओं के पीछे केवल कंपनियों का लाभ बढ़ाने का उद्देश्य नहीं होता। इसके माध्यम से निवेश, उत्पादन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार भी अपेक्षित होता है। सरकार जब उद्योगों को करों में छूट देती है, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं लागू करती है या निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है, तो इसके पीछे व्यापक आर्थिक हित जुड़े होते हैं। उम्मीद की जाती है कि कंपनियां इन सुविधाओं का इस्तेमाल अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई तकनीक अपनाने, कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और बाजार में बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए करेंगी। लेकिन यदि सरकारी रियायतों का बड़ा हिस्सा कंपनियों के मुनाफे तक ही सीमित रह जाए, तो सार्वजनिक हित का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। इस स्थिति में सबसे बड़ा सवाल रोजगार का है। देश में बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं। शिक्षित युवाओं की अपेक्षाएं बढ़ी हैं, लेकिन उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने की चुनौती भी बनी हुई है। उद्योगों के विस्तार के बावजूद यदि रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ते, तो आर्थिक विकास का लाभ सीमित दायरे में सिमटने लगता है। इसके साथ ही मौजूदा कर्मचारियों की आय में पर्याप्त वृद्धि नहीं होने से उनकी क्रयशक्ति प्रभावित होती है। महंगाई के दौर में वेतन में मामूली बढ़ोतरी भी परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं रह जाती। कंपनियों के सामने प्रतिस्पर्धा, लागत और वैश्विक बाजार की चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन इनका समाधान कर्मचारियों की आय और सुविधाओं को लगातार सीमित रखने में नहीं तलाशा जाना चाहिए। किसी भी उद्योग की वास्तविक ताकत केवल उसकी मशीनों, तकनीक और पूंजी में नहीं, बल्कि वहां काम करने वाले लोगों की क्षमता और मेहनत में भी होती है। यदि कर्मचारी बेहतर उत्पादन में योगदान दे रहे हैं, तो उन्हें उसका उचित लाभ मिलना भी जरूरी है। एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल वस्तुओं की गुणवत्ता और मात्रा से जुड़ा है। बाजार में कई उत्पादों की कीमतें बढ़ने के बावजूद उनकी गुणवत्ता या मात्रा में कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई बार कंपनियां पैकेट का आकार घटाकर या मात्रा कम करके कीमतों में वास्तविक बढ़ोतरी का प्रभाव छिपाने की कोशिश करती हैं। इससे उपभोक्ता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। दूसरी ओर, निर्यात के लिए तैयार किए जाने वाले उत्पादों की गुणवत्ता के मानकों और घरेलू बाजार में उपलब्ध वस्तुओं के स्तर के बीच अंतर भी चर्चा का विषय रहा है। यदि भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती हैं, तो देश के उपभोक्ताओं को भी उसी स्तर के उत्पाद मिलने चाहिए। आर्थिक नीतियों का उद्देश्य केवल उत्पादन और मुनाफे के आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के हितों का संतुलन बनाए रखना भी होना चाहिए।

> सरकार उद्योगों को करों में छूट और कई तरह की रियायतें देकर अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास करती है। उम्मीद होती है कि इसका लाभ रोजगार, वेतन और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के रूप में आम लोगों तक पहुंचेगा। लेकिन कंपनियों के बढ़ते मुनाफे और कर्मचारियों की सीमित आय के बीच बढ़ती खाई आर्थिक नीतियों की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर रही है।

पंचायत चुनावों में छिपे हैं राजस्थान की राजनीति के बड़े संकेत



राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस की बढ़त ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। ग्रामीण मतदाताओं के रुझान, भाजपा के मजबूत क्षेत्रों में सेंध और क्षेत्रीय दलों की बढ़ती मौजूदगी ने आगामी विधानसभा चुनावों के साथ राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, इन नतीजों को सत्ता परिवर्तन का संकेत मानना जल्दबाजी होगी।

स्थानीय चुनावों के नतीजे कई बार बड़े राजनीतिक बदलावों की आहट देते हैं। राजस्थान के पंचायत चुनावों ने एक बार फिर इस धारणा को चर्चा में ला दिया है। करीब दो महीने पहले शहरी निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली भाजपा को ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस से मिली चुनौती ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या प्रदेश की राजनीति में मतदाताओं का रुझान बदल रहा है? क्या यह केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम है या इसके पीछे सरकार के कामकाज और नेतृत्व को लेकर व्यापक नाराजगी भी है? इन सवालों के जवाब अभी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन परिणामों ने सत्तारूढ़ दल के लिए आत्ममंथन की स्थिति जरूर पैदा कर दी है।

राजस्थान के 37 जिलों में घोषित पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने भाजपा से काफी अधिक सीटें हासिल की हैं। उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस ने पंचायत समिति की 3,758 और जिला परिषद की 794 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को क्रमश: 2,213 और 357 सीटें मिलीं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी कई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कोटा, बारां, करौली और श्रीगंगानगर जिलों में मतगणना 17 दिसंबर तक स्थगित है। इसलिए पूरे प्रदेश का अंतिम राजनीतिक आकलन अभी शेष है।

इन नतीजों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन है। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, सीकर और दौसा जैसे क्षेत्रों में पार्टी ने उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में भी कांग्रेस ने भाजपा से अधिक पंचायत समिति सीटें जीतीं। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की सफलता भी इस बात का संकेत है कि स्थानीय स्तर पर मतदाता केवल दो प्रमुख दलों के बीच ही विकल्प नहीं तलाश रहे हैं।

भाजपा के लिए चिंता की बात यह है कि केंद्रीय मंत्रियों और राज्य सरकार के मंत्रियों के प्रभाव वाले कुछ क्षेत्रों में भी पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। जोधपुर और बीकानेर जैसे क्षेत्रों में कांग्रेस की बढ़त ने राजनीतिक हलकों में चर्चा बढ़ाई है। वहीं, सीकर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और टोंक में सचिन पायलट के प्रभाव वाले क्षेत्रों में पार्टी का प्रदर्शन उसके लिए उत्साहजनक रहा। हालांकि, किसी एक चुनाव के आधार पर नेताओं के व्यक्तिगत प्रभाव का अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

इन परिणामों को समझने के लिए ग्रामीण राजस्थान की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी ध्यान देना होगा। किसान, मजदूर, ग्रामीण युवा और महिलाएं स्थानीय शासन से सीधे प्रभावित होते हैं। सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन उनके लिए चुनावी नारों से अधिक महत्वपूर्ण होता है। पंचायत चुनावों में स्थानीय उम्मीदवारों की छवि, व्यक्तिगत संपर्क और गांव के स्तर पर उपलब्धियों का भी प्रभाव रहता है। इसलिए कांग्रेस की सफलता को केवल सरकार विरोधी लहर और भाजपा की हार को केवल नेतृत्व के प्रति नाराजगी मान लेना अधूरा विश्लेषण होगा। राजस्थान में जातीय समीकरण भी चुनावी राजनीति को प्रभावित करते हैं। कांग्रेस ने अनुसूचित जाति, जाट, गुर्जर और मीणा समुदायों के बीच अपने समर्थन को मजबूत करने का प्रयास किया। दूसरी ओर, भाजपा के परंपरागत समर्थक माने जाने वाले कुछ सामाजिक वर्गों में भी चुनावी परिणामों ने नए समीकरणों की संभावना दिखाई है। हालांकि, जातीय आधार पर पूरे मतदान व्यवहार को समझना संभव नहीं है। स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय है। हनुमान बेनीवाल की पार्टी ने नागौर सहित कई क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई, जबकि आदिवासी बहुल इलाकों में भारत आदिवासी पार्टी ने प्रभाव बनाए रखा। निर्दलीय उम्मीदवारों की सफलता भी बताती है कि ग्रामीण मतदाताओं के सामने स्थानीय स्तर पर कई विकल्प मौजूद हैं। यह स्थिति कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पंचायतों में स्थानीय समीकरण आगे चलकर विधानसभा क्षेत्रों की राजनीति को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन नतीजों का राष्ट्रीय राजनीति से संबंध जोड़ना भी स्वाभाविक है। अगले विधानसभा चुनाव में अभी समय है और लोकसभा चुनाव उससे भी आगे हैं। ऐसे में पंचायत चुनावों को भविष्य के चुनावों का सीधा पूर्वानुमान मानना जल्दबाजी होगी। स्थानीय चुनावों में उम्मीदवार की व्यक्तिगत लोकप्रियता और गांव के मुद्दे निर्णायक हो सकते हैं, जबकि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में नेतृत्व, राष्ट्रीय नीतियां, व्यापक राजनीतिक विमर्श और गठबंधन जैसे कारक भी प्रभाव डालते हैं। फिर भी, किसी सत्तारूढ़ दल को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक चुनौती मिलना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घटना है। भाजपा ने इन परिणामों को जनादेश मानकर समीक्षा करने की बात कही है। पार्टी के लिए यह समझना जरूरी होगा कि शहरी और ग्रामीण मतदाताओं के रुझान में इतना अंतर क्यों दिखाई दिया। संगठनात्मक समन्वय, स्थानीय नेतृत्व, उम्मीदवारों का चयन और सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचने जैसे विषयों की समीक्षा महत्वपूर्ण होगी। कांग्रेस के सामने भी कम चुनौती नहीं है। पंचायत चुनावों की सफलता को स्थायी राजनीतिक आधार में बदलने के लिए उसे संगठन को मजबूत करना होगा और स्थानीय स्तर पर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ये चुनाव ईवीएम से हुए। परिणाम अपने पक्ष में आने के बाद कांग्रेस की ओर से ईवीएम को लेकर पहले उठाए गए सवालों पर राजनीतिक चर्चा होना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा सभी दलों के लिए समान रूप से जरूरी है। इसलिए चुनाव परिणाम चाहे किसी के पक्ष में हों, संस्थागत प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर एक समान दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए। दरअसल, इन पंचायत चुनावों का सबसे बड़ा संदेश किसी एक दल की जीत या दूसरे की हार से आगे है। ग्रामीण मतदाता अपनी अपेक्षाओं और नाराजगी को स्थानीय चुनावों के माध्यम से भी व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है तो कांग्रेस के लिए संगठनात्मक मजबूती साबित करने की चुनौती। इन नतीजों में राष्ट्रीय राजनीति के कुछ संकेत जरूर छिपे हो सकते हैं, लेकिन उनका वास्तविक अर्थ आने वाले समय में सरकारों के कामकाज, विपक्ष की सक्रियता और मतदाताओं के बदलते रुझान से ही स्पष्ट होगा।



चेतना को लेकर इंसान का ज्ञान आज भी अधूरा

हाल ही में मेरी मुलाकात एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से हुई, जो एक बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी में काम करते हैं। एआई में मेरी दिलचस्पी को देखते हुए मुझे लगा कि हमारी बातचीत अच्छी रहेगी। लेकिन, जब मैंने उन्हें बताया कि मैं एआई से जुड़े नैतिक सवालों पर काम करती हूं और इनमें एक प्रश्न यह भी है कि क्या भविष्य में एआई में चेतना विकसित हो सकती है, तो वह हंस पड़े। उन्होंने लगभग यकीन के साथ कहा कि मशीनों में चेतना आने का सवाल ही नहीं उठता। फिर, उलटे मुझसे पूछ बैठे कि क्या मुझे पता भी है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) कैसे काम करते हैं? मैं कुछ पल के लिए चुप रह गई। मेरे शोध के लिए एलएलएम की गहरी समझ जरूरी है, पर सच्चाई यह है कि उन्हें बनाने वाले विशेषज्ञ भी पूरी तरह नहीं जानते कि ये मॉडल आखिर काम कैसे करते हैं। उस वक्त मुझे उनसे एक सवाल पूछना चाहिए था कि क्या वह खुद जानते हैं कि चेतना कैसे काम करती है?दरअसल, चेतना को लेकर इंसान का ज्ञान आज भी अधूरा है। सदियों के वैज्ञानिक और दार्शनिक विमर्श के बावजूद, इस बात पर सहमति नहीं बन पाई है कि चेतना पैदा कैसे होती है। कुछ सिद्धांत मानते हैं कि इसके लिए जीवित कोशिकाओं की खास जैविक और विद्युत गतिविधियां जरूरी हैं, जो कंप्यूटर में नहीं होतीं। वहीं, कुछ सिद्धांतों के अनुसार, चेतना का संबंध किसी सिस्टम की बनावट से ज्यादा उसके काम करने के तरीके से है। यानी सैद्धांतिक रूप से मशीनों में भी चेतना संभव हो सकती है। इस बहस को महज कल्पना मानकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। 2022 में चेतना पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों के एक सर्वे में महज तीन प्रतिशत लोगों ने माना कि मशीनें कभी सचेत नहीं हो सकतीं। इसके उलट, दो-तिहाई से अधिक शोधकर्ताओं का मानना था कि मशीनों में चेतना संभव है या भविष्य में हो सकती है। बेशक किसी दूसरे के भीतर चेतना होने का प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे पास नहीं होता। हम अपने अनुभवों को तो महसूस कर सकते हैं, लेकिन किसी दूसरे इन्सान के अनुभवों को सीधे नहीं जान सकते। इसके बावजूद, हम मानते हैं कि दूसरे लोग भी हमारी तरह सचेत हैं। इसकी वजह है उनकी जैविक बनावट, व्यवहार, बातचीत और सबसे बढ़कर उनका यह कहना कि वे कुछ महसूस करते हैं। एआई के मामले में भी यही तरीका अपनाया जा सकता है। हमें देखना होगा कि मशीनें क्या कहती हैं, कैसे व्यवहार करती हैं, उनके भीतर सूचनाओं का प्रसंस्करण किस तरह होता है और प्रशिक्षण के दौरान उनकी क्षमताएं कैसे विकसित होती हैं। इस दिशा में एंथ्रोपिक का अपने चैटबॉट क्लाउड पर किया गया शोध दिलचस्प संकेत देता है। एंथ्रोपिक के शोधकर्ताओं ने क्लाउड में ऐसे आंतरिक तंत्रों की पहचान की, जो अलग-अलग काम करते समय जरूरी जानकारी उपलब्ध कराते हैं। ये कुछ हद तक इन्सानी मस्तिष्क जैसे दिखाई देते हैं।

उच्च शिक्षा के परिसर में अब भी जीवित है जाति

शिक्षा का वास्तविक मूल्य केवल डिग्री हासिल करने या रोजगार पाने तक सीमित नहीं होता। उसका सबसे बड़ा उद्देश्य व्यक्ति को स्वतंत्र सोच, विवेक और तार्किक दृष्टि से संपन्न बनाना है, ताकि वह समाज में मौजूद रूढ़ियों, पूर्वाग्रहों और असमानताओं को चुनौती दे सके। लेकिन जब शिक्षा देने वाले संस्थान ही सामाजिक भेदभाव से मुक्त नहीं हो पाते, तब उनके उद्देश्य और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देने लगती है। भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था के सामने आज यही सबसे बड़ा सवाल है कि क्या विश्वविद्यालय वास्तव में समानता के केंद्र बन पाए हैं या समाज में पहले से मौजूद जातिगत विभाजन वहां भी नए रूपों में कायम हैं?

विश्वविद्यालयों को ज्ञान, तर्क, संवाद और स्वतंत्र चिंतन का केंद्र माना जाता है। यहां विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। जाति, धर्म, सामाजिक पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति किसी विद्यार्थी की संभावनाओं को निर्धारित नहीं करनी चाहिए। इसके बावजूद हाशिये पर खड़े समुदायों के विद्यार्थियों को कई बार ऐसे अनुभवों से गुजरना पड़ता है, जो उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को प्रभावित करते हैं। यह स्थिति बताती है कि सामाजिक भेदभाव केवल ग्रामीण समाज, परंपरागत पेशों या पिछड़े इलाकों तक सीमित नहीं है। आधुनिकता और तकनीकी प्रगति के दावों के बीच भी उसकी जड़ें गहरी हैं। भारतीय साहित्य ने जातिगत असमानता और उससे पैदा होने वाली पीड़ा को लंबे समय से अभिव्यक्ति दी है। ओमप्रकाश वाल्मीकि की आत्मकथा जूठन शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बदलाव की आकांक्षा और उस राह में आने वाले अपमान का मार्मिक दस्तावेज है। इसमें स्पष्ट होता है कि विद्यालय तक पहुंच जाना ही सामाजिक बराबरी हासिल कर लेना नहीं है। शिक्षा प्राप्त करने की प्रक्रिया में भी जातिगत पहचान व्यक्ति का पीछा करती रहती है। इसी तरह बामा की सामाजिक और धार्मिक संरचनाओं में मौजूद भेदभाव को सामने लाती है। दया पवार की बलुतं और शरणकुमार लिंबाले की %अक्करमाशी% जाति के कारण मनुष्य की गरिमा, पहचान और अस्तित्व पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करती हैं। प्रेमचंद की कहानी %सद्गति% भी इस बात की याद



दिलाती है कि सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त जातिगत शोषण कोई नया प्रश्न नहीं है। गिरिराज किशोर का उपन्यास परिशिष्ट इस विमर्श को आधुनिक तकनीकी शिक्षण संस्थानों तक ले जाता है। यह बताता है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आधुनिक शिक्षा और योग्यता की भाषा अपनाने के बावजूद संस्थागत वातावरण जातिगत पूर्वाग्रहों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। इन रचनाओं की प्रासंगिकता इसलिए बनी हुई है, क्योंकि जिन सामाजिक अनुभवों को साहित्य ने दशकों पहले दर्ज किया था, उनके अनेक रूप आज भी दिखाई देते हैं। उच्च शिक्षा में प्रवेश पाने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय तक पहुंचना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होता। यह उन पीढ़ियों की आकांक्षाओं का परिणाम भी होता है, जिन्हें लंबे समय तक शिक्षा और ज्ञान के अवसरों से दूर रखा गया। ऐसे में योग्यता को केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों से परिभाषित करना पर्याप्त नहीं है। किसी विद्यार्थी की शैक्षणिक क्षमता विकसित होने में उसके पारिवारिक और सामाजिक वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बेहतर विद्यालय, पुस्तकें, तकनीकी संसाधन, निजी मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अनुकूल अध्ययन वातावरण किसी की शैक्षणिक यात्रा को आसान बनाते हैं। दूसरी ओर, सीमित संसाधनों और सामाजिक वंचना के बीच पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कई अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में मेरिट को पूरी तरह सामाजिक परिस्थितियों से अलग करके देखना उचित नहीं होगा। वास्तविक समानता का अर्थ केवल सभी को एक ही परीक्षा में बैठने का अवसर देना नहीं, बल्कि उन असमान परिस्थितियों को भी समझना है, जिनमें विद्यार्थी अपनी क्षमता विकसित करते हैं। आरक्षण इसी ऐतिहासिक और सामाजिक असमानता को दूर करने की संवैधानिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे किसी पर उपकार के रूप में देखने के बजाय समान अवसर सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में समझना चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतों से जुड़े आंकड़े भी इस समस्या की गंभीरता की ओर संकेत करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से 704 विश्वविद्यालयों और 1,553 महाविद्यालयों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर संसदीय समिति को दी गई जानकारी के अनुसार, उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतें वर्ष 2019-20 में 173 थीं, जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 378 हो गईं।

इन आंकड़ों की व्याख्या सावधानी से की जानी चाहिए। शिकायतों में वृद्धि का अर्थ यह जरूरी नहीं कि भेदभाव की घटनाएं उसी अनुपात में बढ़ी हों। इसके पीछे विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ना, शिकायत दर्ज कराने के प्रति विश्वास पैदा होना और संस्थागत स्तर पर शिकायतों की पहचान बेहतर होना भी कारण हो सकते हैं।

फेयरफैक्स अब आईआईएफएल कैपिटल का नया प्रवर्तक

44.08 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली ।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की अगुवाई वाले फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स समूह ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी कुल हिस्सेदारी बढ़ाकर 44.08 प्रतिशत कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ फेयरफैक्स अब कंपनी का नया प्रवर्तक बन गया है, जो भारत में समूह की बढ़ती निवेश रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फेयरफैक्स की निवेश इकाई एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार से शेयरों की खरीद प्रक्रिया पूरी की। आंकड़ों के मुताबिक, एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने औसत 350 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1,540 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे आईआईएफएल कैपिटल में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.79 प्रतिशत हो गई। संबद्ध इकाइयों के साथ फेयरफैक्स समूह की कुल हिस्सेदारी 44.08 प्रतिशत हो गई है। इस बदलाव के बाद, आईआईएफएल के मौजूदा प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी 25.80 प्रतिशत से घटकर 11.85 प्रतिशत रह गई। प्रवर्तक समूह के प्रमुख निर्मल जैन और वेंकटरमण राजमणि ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। यह कदम फेयरफैक्स समूह के लिए भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं की उपस्थिति को और मजबूत करने का संकेत है।

अर्बन कंपनी ने क्यूआईपी से जुटाए 2,500 करोड़

6 गुना से अधिक की मिली जबरदस्त मांग

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने घोषणा की है कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। इस निर्गम के लिए कंपनी को निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त मांग मिली, जो प्रस्तावित राशि का छह गुना से भी अधिक है। यह पूंजी कंपनी के इंस्टाहेल्प आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र, विपणन, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रशिक्षण और संभावित अधिग्रहणों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। कंपनी ने बताया कि क्यूआईपी 16 नवंबर को खुला और 19 नवंबर को बंद हुआ। निदेशक मंडल ने 19 नवंबर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले 16,02,56,410 इक्विटी शेयरों को 156 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य न्यूनतम 161.03 रुपये प्रति शेयर से 3.1 प्रतिशत की छूट पर था। क्यूआईपी में 60 से अधिक निवेशकों ने बोलियां लगाईं, जिनमें से 33 निवेशकों को शेयर आवंटित किए गए। इनमें 13 ऐसे निवेशक भी शामिल थे जिनके पास निर्गम की तिथि तक कंपनी के शेयर नहीं थे। निर्गम का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 13 प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों को आवंटित किया गया। इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिरे एसेट, इन्वेस्को, व्हाइटओक कैपिटल, मोतीलाल ओसवाल, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, कोटक, निप्पॉन इंडिया, यूटीआई, एडलवाइस, बंधन और जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड शामिल हैं, जो कंपनी में मजबूत संस्थागत विश्वास को दर्शाता है।

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 897, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ कारोबार का समापन किया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने एक बार फिर नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच। लगातार दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, बाजार ने निवेशकों को बड़ी राहत दी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक की प्रभावशाली बढ़त के साथ 83,919.71 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 286.30 अंक की छलांग लगाकर 25,800.60 पर पहुंचा। दिन के कारोबार के दौरान भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपने उच्चतम स्तरों को हासिल किया। सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा-डे हाई दर्ज किया, जबकि निफ्टी 50 ने 294.5 अंकों की तेजी के साथ 25,808.80 के उच्चतम स्तर को स्पर्श किया। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। आज के कारोबार में, निफ्टी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 5.2 प्रतिशत की सबसे बड़ी बढ़त देखी गई। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी



3 से 4 प्रतिशत की अच्छी तेजी दर्ज की गई। हालांकि, टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसे कुछ शेयरों में गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। सेक्टरवार प्रदर्शन में, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 3 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 1.2 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.3 प्रतिशत की उछाल आई। रियल एस्टेट (1.7 प्रतिशत), फाइनेंशियल सर्विसेज (1.6 प्रतिशत) और ऑटो (0.65 प्रतिशत) सेक्टर भी हरे निशान में रहे। इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कच्ची चीनी आयात के लिए डीजीएफटी ने फिर खोला कोटा

पात्र मिलें 27 नवंबर तक कर सकेंगी आवेदन

नई दिल्ली ।



वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कच्ची चीनी के आयात के लिए शेष बचे कोटे के आवंटन हेतु एकबारगी आवेदन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा उन पात्र चीनी मिलों और रिफाइनरी इकाइयों के लिए है, जो 27 नवंबर तक इस कोटे के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से 8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था। संबंधित आवंटियों द्वारा 27,493.859 टन कोटा वापस करने और पहले से आवंटित न की गई 1,87,550 टन मात्रा को मिलाकर, अब कुल 2,15,043.859 टन कच्ची चीनी आयात के लिए उपलब्ध है। डीजीएफटी ने बताया कि वैधता अवधि बढ़ाए जाने और शेष मात्रा को देखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत केवल वही चीनी मिलें और रिफाइनरी इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जिनके पास आयातित कच्ची चीनी को सफेद/रिफाइंड चीनी में बदलने की अपनी कार्यशील क्षमता है।

सोने की चाल बिगड़ी, बफे के सिद्धांत की हुई जीत

मुंबई ।

गोल्ड मार्केट में आई हालिया गिरावट ने कई निवेशकों को चौंकाया है। वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश सिद्धांतों को यह स्थिति एक बार फिर सही साबित करती दिख रही है, क्योंकि वह हमेशा से सोने को अनुत्पादक मानते रहे हैं। 2024 से 2026 की शुरुआत तक गोल्ड में अच्छी तेजी थी, जब कई निवेशकों ने फायदा उठाया। वॉरेन बफे ने तब भी इससे दूरी बनाए रखी। अब, सोने में फिर गिरावट का रुख है।

फंड्सइंडिया रिसर्च के मुताबिक, इस साल 31 अक्टूबर तक सोने में सालाना आधार पर 25 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज हुई, जो 1980 के बाद की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। नोमुरा का अनुमान है कि सोना गिरकर 3500 डॉलर तक आ सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 5 फीसदी कम होगा। जहां कई निवेशक महंगाई या बाजार में हलचल से बचाव के लिए सोने को अच्छा मानते हैं, वहीं बफे का दृष्टिकोण भिन्न है। उनका मानना है कि सोना अपने मालिक के लिए कोई कमाई नहीं करता - न ब्याज, न डिविडेंड, न कोई नया प्रोडक्ट। इसमें निवेश करने वाले सिर्फ इस उम्मीद में पैसा लगाते हैं कि कोई दूसरा निवेशक इसे ज्यादा कीमत पर खरीदेगा।

यूएनओ बैंक कंगाल, नेताओं की सिफारिश पर खास लोगों को बांटे अंधाधुंध कर्ज

बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित, देश में मचा वित्तीय हड़कंप

पराग्वे।

यूएनओ बैंक, जो कभी सबसे तेजी से उभरते हुए वित्तीय संस्थानों में से एक था, अब डूब गया है। बैंक ने कथित तौर पर नेताओं की सिफारिश पर अपने ही समूह की कंपनियों और खास लोगों को अंधाधुंध कर्ज बांटे। इस वित्तीय संकट के कारण बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित हुए, जिनकी हजारों करोड़ रुपए की जमा पूंजी अब खतरे में है। पराग्वे सरकार ने इस नुकसान की भरपाई को बहुत मुश्किल बताया है, जिससे पूरे देश में वित्तीय हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएनओ बैंक ने एक फिनटेक स्टार्टअप के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जरिए तेजी से लोकप्रियता हासिल की। मोबाइल ऐप, कैशबैक और अन्य आकर्षक प्रस्तावों ने इसे चंद सालों में पराग्वे की 64 लाख की आबादी में से 30 लाख ग्राहक बनाने में मदद की। बैंक ने पराग्वे की फुटबॉल टीम को भी प्रायोजित किया और कई स्टेडियमों से जुड़ा, जिससे इसकी छवि और मजबूत हुई। हालांकि, इस बाहरी चमक के पीछे, बैंक अंदरूनी तौर पर खोखला होता चला गया। आरोप है कि बैंक ने केवल उन्हीं कमजोर कंपनियों को कर्ज दिए जिनके उसके मालिकों या राजनीतिक हस्तियों से संबंध थे, जिससे संकट की शुरुआत हुई। यह भी आरोप है कि बैंक ने अपनी बैलेंस शीट में वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाया और कुछ खर्चों को गलत तरीके से संपत्ति के रूप में दिखाया। जांच में तत्कालीन राष्ट्रपति की एक संपत्ति पर छापेमारी में एक तिजोरी भी मिली। इस बैंक में केवल आम लोगों का ही नहीं, बल्कि राज्य के पेंशन और हेल्थ फंड समेत करीब 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा का सार्वजनिक धन भी जमा था, जिससे संकट और गहरा गया। आमतौर पर ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक तुरंत हस्तक्षेप करता है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की। रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका गया था और ये आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख की ओर से आते थे। विवाद बढ़ने के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख को इस्तीफा देना पड़ा।

नए केंद्रीय बैंक प्रमुख ने बताया कि पांच दिनों से भी कम समय में करीब 18.12 लाख लोगों के खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित किए गए और जमा राशि के भुगतान के लिए डिपॉजिट गारंटी फंड का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के डूबने से एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

-पिछले दिन रुपया नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है। गुरुवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था।



फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

अमेरिकी खुदरा दिग्गज को तीसरी तिमाही में एक प्रतिशत राजस्व वृद्धि का नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा। जहां तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई, वहीं चौथी तिमाही में इसका अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद है।

वॉलमार्ट इंक के एक अव धिकारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लिपकार्ट के बीबीडी आयोजन के समय में बदलाव के कारण उन्हें तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि में एक फीसदी की कमी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इस आय को इस साल अंतरराष्ट्रीय खंड की चौथी तिमाही के नतीजों में दर्ज किया जाएगा। यह बदलाव दर्शाता है कि त्योहारी बिक्री के समय का बड़े खुदरा खिलाड़ियों की आय पर कितना गहरा असर पड़ता है। खबरों के मुताबिक, 9 अक्टूबर को शुरू हुए बिग बिलियन डेज के 13वें संस्करण में ऑर्डर, इकाइयों और खरीदारों की संख्या में सालाना आधार पर 20 से 22 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो चौथी तिमाही के लिए मजबूत आय का संकेत है।

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

ईमेल और फोन नंबर हुए सार्वजनिक, पर संवेदनशील वित्तीय जानकारी सुरक्षित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है।

बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे। वीजा और मास्टरकार्ड ने भी डेटा लीक की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि उनके भुगतान संबंधी कार्यों या ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। बैंक के अनुसार प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के करोड़ों ग्राहकों के आधार का एक छोटा हिस्सा है। घटना को फिलहाल काबू में कर लिया गया है और प्रभावित कार्डधारकों की सहायता की जा रही है। बैंक ने दोहराया कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में हुई सॉफ्टवेयर खराबी के कारण आई बैंकिंग सेवाओं में बाधा से पूरी तरह अलग है। यह घटना हाल ही में विश्व स्तर पर सामने आई तकनीकी समस्याओं की शृंखला का हिस्सा है, जिसने विमान सेवाओं और माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं को भी प्रभावित किया है।

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थह्व देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।
इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।
न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थह्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थह्व देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।



55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी–मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।

▶ भारत के प्रति नेपाल का रुख फिर सकारात्मक होता दिखा

चीन को झटका दे भारत पहुंचे नेपाल के पीएम बालेन शाह, मोदी से मिलेंगे

- द्विपक्षीय विदेश यात्रा के लिए बालेंद्र शाह ने चीन के बजाय भारत को चुना
- पीएम पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा

दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने किया शाह का गर्मजोशी से स्वागत

● नई दिल्ली

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह रविवार शाम अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। मार्च में पीएम पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर बालेन शाह भारत आए हैं। उनकी यह यात्रा सोमवार को समाप्त होगी और कुल मिलाकर एक दिन से कुछ अधिक समय तक चलेगी।

पीएम शाह के राजधानी दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने भी पीएम शाह से मुलाकात की। नेपाली पीएम बालेन शाह का भारत दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा के लिए चीन के बजाय भारत को चुना है। दरअसल, पिछले कुछ समय से नेपाल चीन के करीब जाता दिखाई दे रहा था।



अयोध्या-जनकपुर के बीच शुरू होगी सीधी रेल सेवा

पीम नरेन्द्र मोदी और नेपाल के उनके समकक्ष बालेंद्र शाह सोमवार (23 नवंबर) को अयोध्या से जनकपुर धाम के बीच चलने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, पीए मोदी और बालेंद्र शाह दिल्ली से डिजिटल माध्यम से ट्रेन को रवाना करेंगे।

34 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी आया

बालेन शाह नेपाल एयरलाइंस की रेगुलर कमर्शियल फ्लाइट से भारत पहुंचे हैं। उनके साथ 34 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें उनके मुख्य सलाहकार कुमार ब्यानजंकर, वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल शामिल हैं। पीएम के प्रतिनिधिमंडल के साथ कारोबारियों का एक अलग दल भी भारत आया है। भारत दौरे के दौरान बालेन शाह राष्ट्रपति द्रौपदी मुमु से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर भी नेपाल के प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय ने दौरे से पहले इसकी जानकारी दी थी।

ट्रेड, ऊर्जा, निवेश समेत कई मुद्दों पर चर्चा

दोनों देशों में होने वाली वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। खासतौर पर व्यापार, ट्रांजिट, ऊर्जा, निवेश और सीमा पार संपर्क सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर रहेगा। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस यात्रा के दौरान ऊर्जा सहयोग से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा सकता है। कुछ नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखे जाने की तैयारी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अंतरिक्ष, आपदा प्रबंधन और मानव संसाधन विकास से जुड़े कई एमओयू का आदान-प्रदान भी होना है।

बालेन शाह का दौरा क्यों है खास

बालेन शाह मार्च में नेपाल का पीएम बनने के बाद पहली बार भारत के द्विपक्षीय दौरे पर आए हैं। सितंबर में वह यूएनजीए की बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह उनकी आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा नहीं थी। शाह की अगुवाई वाली आरएसपी की सरकार का गठन पिछले साल सितंबर में केपी शर्मा ओली सरकार को सत्ता से हटाने वाले युवा पीढ़ी के आंदोलन के करीब 6 महीने बाद हुआ था। मोदी ने सरकार बनने के समय ही उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। नेपाल के नए प्रधानमंत्रियों के लिए पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत से शुरू करना लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। 2024 में केपी शर्मा ओली ने इस परंपरा से अलग हटकर अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए चीन को चुना था।

भारत की सभ्यता और भाषाई विविधता के मुरीद हुए पुतिन



नई दिल्ली, आरएनएन। भारत में कदम-कदम पर भाषा बदल जाती है। कहीं हिंदी सुनाई देती है, कहीं तमिल, बंगाली, मराठी या कोई दूसरी भाषा। यहां हर इलाके की अपनी बोली, अपनी पहचान है। भारत की यही खासियत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी हैरान कर गई।

उन्होंने भारतीय सभ्यता की तारीफ करते हुए यहां की भाषाई विविधता को सिम्पली अमेजिंग यानी बेहद अद्भुत बताया। सर्बियाई फिल्म निर्देशक एमिर कुस्तुरिका को दिए इंटरव्यू में पुतिन ने एमिर कुस्तुरिका को दिए एक इंटरव्यू में पुतिन ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई हालिया बातचीत का जिक्र किया। भारत की आबादी करीब 150 करोड़ है। इनमें लगभग 60 करोड़ लोग एक प्रमुख भाषा बोलते हैं, जबकि बाकी लोग अपनी-अपनी भाषाओं का इस्तेमाल करते हैं।

इतनी बड़ी आबादी के बीच भाषाओं की यह विविधता वाकई हैरान करने वाली है। पुतिन ने सिर्फ भारत की भाषाओं की बात नहीं की, बल्कि यहां की प्राचीन सभ्यता का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता को खास बताया। पीएम मोदी से मिली जानकारी ने उन्हें भारत को समझने का नजरिया दिया। भारत की विविधता का जिक्र करते हुए पुतिन ने रूसी सभ्यता की खासियत भी बताई। रूस में अलग-अलग समुदायों और जातीय समूहों को अपने धर्म, भाषाएं और आध्यात्मिक पहचान बचाए रखने का मौका मिला है।

पाक मंत्री बोले, आतंकवाद पर भारत सबूत दे, हम भी देंगे...

भारत- पाक के बीच पारदर्शी वार्ता की वकालत

● नई दिल्ली

भारत दौरे पर आए पाक के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। दिल्ली में पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि भारत और पाक के बीच आतंकवाद को लेकर होने वाली किसी भी चर्चा का आधार सबूत होने चाहिए। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारदर्शी वार्ता की वकालत करते हुए कहा कि भारत अपने सबूत रखे और पाकिस्तान भी अपने सबूत पेश करेगा। पाक के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने कहा कि आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर किसी भी तरह की वार्ता तथ्यों और सबूतों के आधार पर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस मामले को केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रखने के बजाय पारदर्शी तरीके से सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे एक-दूसरे के सामने अपने सबूत और तथ्य रख सकें। उन्होंने कहा कि इस आधार पर हर मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है और क्षेत्र में आतंकवाद से मिलकर मुकाबला करने का रास्ता निकाला जा सकता है। मुसादिक मसूद मलिक ने आतंकवाद को पूरे क्षेत्र की गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि पाकिस्तान के हजारों नागरिक भी चरमपंथ और आतंकवाद का शिकार हुए हैं।



वार्ता के सवाल पर बोले- पहले न्योता तो दीजिए

भारत के साथ वार्ता को लेकर पूछे गए सवाल पर पाक मंत्री ने कहा कि जब भारत उन्हें द्विपक्षीय चर्चा के लिए आमंत्रित करेगा, तब वह वार्ता के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि आप मुझे उन खास मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाइए। पहले निमंत्रण दीजिए और बताइए कि आप द्विपक्षीय वार्ता करना चाहते हैं। मैं चर्चा के लिए आऊंगा और आपके सभी सवालों का जवाब दूंगा। पाक के संघीय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में शामिल होने के लिए भारत आए हैं।

2300 भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था पाक पहुंचा

लाहौर, आरएनएन। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 557वें प्रकाशपर्व में शामिल होने के लिए करीब 2,300 भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था रविवार को वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान आया। अधिकारी ने बताया कि सीमा पर तीर्थयात्रियों का स्वागत इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के चेयरमैन कमर जमान, पंजाब के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और पाक सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) के अध्यक्ष सरदार रमेश सिंह अरोड़ा तथा अन्य अधिकारियों ने किया। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि लगभग 2,339 भारतीय तीर्थयात्री लाहौर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पाक सरकार ने इस मौके के लिए 3,000 से अधिक वीजा जारी किए थे। हाशमी ने बताया कि श्रद्धालु पक में कई ऐतिहासिक सिख तीर्थस्थलों के दर्शन करेंगे, जिनमें करतारपुर साहिब भी शामिल है, और एक दिसंबर को भारत लौटेंगे।

ब्रीफ न्यूज

कनाडा : लिबरल पार्टी के नेता बने नवदीप बैंस

टोरंटो, आरएनएन। भारतीय मूल के पूर्व कनाडाई मंत्री नवदीप बैंस को ओंटारियो में लिबरल पार्टी का नया नेता चुना गया है। उन्होंने अगले चुनाव के लिए पार्टी को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया है। बैंस (49) को पार्टी के नेतृत्व सम्मेलन में तीसरे और अंतिम दौर के मतदान में 50.3 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कहा कि यह भले ही नेतृत्व की दौड़ का अंत हो, लेकिन डग फोर्ड और ओंटारियो की (प्रोग्रेसिव) कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता से हटाने के हमारे अभियान की यह महज शुरुआत है।

भारत-बांग्लादेश के बीच दो दिवसीय बैठक शुरू

ढाका, आरएनएन। 1996 की गंगा वॉटर ट्रिटी के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु भारत-बांग्लादेश के संयुक्त नदी आयोग की दो दिवसीय बैठक रविवार से शुरू हुई। आगामी 12 दिसंबर को 30 साल की अवधि पूरी करते हुए यह डील समाप्त होनी है। बैठक में मौजूदा जल बंटवारा व्यवस्था और नदी के प्रवाह से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान पर चर्चा हेतु 6 सदस्यीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेआरसी सदस्य मो. अनवर कादिर कर रहे हैं।

लीबिया : रूसी जहाज पर यूक्रेनी समुद्री ड्रोन से हमला

काहिरा, आरएनएन। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में रविवार तड़के एक रूसी जहाज पर यूक्रेनी समुद्री ड्रोन ने निशाना बनाया। यह हमला पूर्वी लीबिया के बेंगाजी स्थित नौसैनिक अड्डे पर हुआ। हमले के बाद जोरदार विस्फोट हुआ और जहाज में आग लग गई। लीबिया के पूर्वी हिस्से की सरकार ने इस घटना की जानकारी दी है। रूसी जहाज रूस और पूर्वी लीबिया की सरकार के बीच हुए सहयोग समझौते के तहत नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा था।

ट्रम्प बोले- हम डेटा सेंटरों को दूसरे देशों में नहीं जाने देंगे

● वाशिंगटन / आरएनएन

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विदेशों में एआई डेटा सेंटर बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों पर भारी टैक्स लगाने की धमकी देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि इस तरह का बुनियादी ढांचा यूएस के भीतर ही विकसित हों।

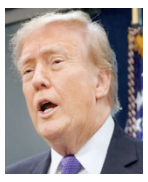

चीन इन सबको हथियाने की कोशिश में लगा

ट्रम्प ने कहा कि हम डेटा सेंटरों को दूसरे देशों में नहीं जाने देंगे, क्योंकि चीन इन सबको हथिया लेगा। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां ऐसा करने की कोशिश करेंगी, उन पर हम भारी जुर्माना लगाएंगे। ट्रम्प ने एशिया यात्रा से लौटने के बाद कहा कि हम इन सबको अपने ही देश में रखेंगे। हम अपनी कंपनियों को देश के बाहर डेटा सेंटर बनाने की अनुमति नहीं देंगे। ट्रम्प ने इस संभावित कदम के बारे में ज्यादा जानकारी न देते हुए बताया कि उनके मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों ने भी इसके बारे में पहली बार सुना है। ट्रम्प का यह बयान यूएस में एआई के बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार को लेकर चल रही राजनीतिक बहस को और बढ़ाते हैं।

जीवाश्म ईंधन का उल्लेख न होने पर कॉप-31 डील खारिज

कॉप-31 डील : ब्रिटेन-ईयू ने प्रस्तावित डील को जलवायु के भविष्य के लिए बताया अस्वीकार्य

● अंताल्या

यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिटेन और विकासशील देशों के सहयोगियों ने रविवार को कॉप-31 डील को जलवायु के भविष्य के लिए अस्वीकार्य बताते हुए खारिज कर दिया। अंग्रेजी दैनिक की एक रिपोर्ट में बताया गया कि तुर्किए में संयुक्त राष्ट्र के कॉप-31 क्लाइमेट चेंज की वार्ता का इस तरह नाटकीय समापन हुआ, जिसमें प्रस्तावित समझौते में जीवाश्म ईंधन का उल्लेख तक नहीं था।

ईयू की ओर से आयरलैंड के पर्यावरण मंत्री डैराघ ओ'ब्रायन ने कहा कि प्रस्तावित समझौता मौजूदा समय की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे फैसले का समर्थन नहीं करेंगे, जो विज्ञान के अनुरूप न हो और वैश्विक प्रतिबद्धताओं तथा आवश्यक कार्रवाई के बीच की खाई को और गहरा करने का जोखिम पैदा करे। इसमें जीवाश्म ईंधन का उल्लेख तक नहीं है। शुक्रवार को समाप्त होने वाली वार्ता रविवार दोपहर तक खिंच गई। इस दौरान स्पष्ट हो गया कि सम्मेलन की तुर्किए और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त अध्यक्षताओं की ओर से तैयार किया गया अंताल्या डील पारित होने के लिए आवश्यक सर्वसम्मति हासिल नहीं कर पाएगा।

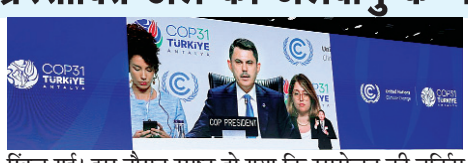

अंताल्या समझौते में देशों से अपनी अर्थव्यवस्थाओं का विद्युतीकरण करने का आह्वान किया गया था। इसमें अमीर देशों से जलवायु संकट के प्रभावों के अनुकूल ढलने में गरीब देशों की मदद के लिए वित्तीय सहायता देने और पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान वृद्धि की 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के संभावित अतिक्रमण को न्यूनतम रखने की अपील भी की गई थी। समझौते में जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की उस प्रक्रिया का समर्थन नहीं किया गया, जिसकी मांग 130 से अधिक देशों ने की थी।

भारत ने कहा, जलवायु वित्त का मुद्दा पूरी तरह दम तोड़ चुका है

तुर्किये के अंताल्या में संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन में रविवार को कोई व्यापक समझौता नहीं हो सका। इसके बाद समान सोच वाले विकासशील देशों (एलएमडीसी) का प्रतिनिधित्व कर रहे भारत ने कहा कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न वार्ता सत्रों में जलवायु वित्त के मुद्दे पर बातचीत करने से इनकार किया गया। एलएमडीसी की ओर से बयान देते हुए भारत ने कहा कि हमें बताया गया कि जिस समस्या को हमने पैदा नहीं किया है, उसके कारण विकासशील देशों की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं, इसके बावजूद उन्हें विकसित देश के साझेदारों से जलवायु वित्त के मुद्दे पर वार्ता करने की उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा पहले ही पूरी तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सीओपी31 वार्षिक सम्मेलन जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की मजबूत प्रतिबद्धता और जलवायु वित्त के लिए नई एवं मात्रात्मक रूप से निर्धारित प्रतिबद्धताएं हासिल करने के मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी अंतिम समझौते के बिना समाप्त हो गया।

दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री ने दिया इस्तीफा

सोल, आरएनएन। द. कोरिया के शिक्षा मंत्री चोई क्यो-जिन ने देश में परीक्षा नकल विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेकर रविवार को पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने स्वीकार किया है।



परीक्षा में नकल विवाद

विवाद वार्षिक कॉलेज प्रवेश परीक्षा में एआई की मदद से होने वाली नकल को रोकने अंतिम समय में उठाए कदमों और उससे पैदा हुई भ्रम की स्थिति के कारण गहराया। दरअसल, अप्रैल में हुई राष्ट्रीय कर लेखा परीक्षा के टॉपर हान वोन-सियोक (34) ने 160 में से 159 प्रश्नों के सही उत्तर देने के बाद एक वीडियो संदेश में स्वीकार किया था कि उसने माइक्रो-कैमरा, स्मार्टफोन और एआई उपकरणों के जरिए नकल की थी।

इजराइल: नई सरकार की तेज हुई कवायद

आइजनकोट ने नेतन्याहू की पार्टी को वार्ता को बुलाया

● येरूशलम / आरएनएन

इजराइल के पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को गठबंधन पर नई वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। इस कदम से एक राष्ट्रीय एकता सरकार बनने का रास्ता साफ हो सकता है। वार्ता जल्द शुरू होनी है।



आइजनकोट के सामने दिसंबर तक की समय-सीमा है, जिसके भीतर उन्हें संसद में इतना समर्थन जुटाना होगा कि वे नेतन्याहू की जगह ले सकें।

लिकुड पार्टी की मांग- आइजेनकोट का गुट अपने विधायी एजेंडे को रोक दे

वार्ता के दौरान बड़े कदम उठाने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। दोनों पार्टियों के बीच पिछले रविवार को हुई वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई। इसके बाद से दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं कि वे एकता सरकार बनाने के लिए कितने गंभीर हैं। लिकुड ने मांग की है कि आइजेनकोट का गुट अपने विधायी एजेंडे को रोक दे और अरब पार्टियों के साथ सहयोग करना बंद कर दे।

दुनिया खतरों से भरी है, सावधान रहना...

बेटे बैरन को मेलानिया ट्रम्प ने किया आगाह

वाशिंगटन, आरएनएन। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने बेटे बैरन को डेटिंग को लेकर एक खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया खतरों से भरी है, इसलिए उसे सावधान रहना चाहिए। साथ ही भरोसा दिलाया कि वह हर हाल में उसके साथ खड़ी रहेंगी। मेलानिया (56) ने अपनी नई वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) सीरीज में यह बातें कहीं। मेलानिया ने बताया कि वह 20 साल के बैरन को अक्सर सावधान रहने की सलाह देती हैं।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्ट्री में आग, सात शव बरामद

50 मजदूर अब भी लापता

● जकार्ता / आरएनएन

इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा के सेरांग रीजेंसी स्थित सिकांडे इलाके में एक कैंडी फैक्ट्री में शनिवार शाम लगी भीषण आग के बाद रविवार तक स्थिति बेहद गंभीर बनी रही। इंडोनेशियाई पुलिस और बचाव दलों ने अब तक 7 बॉडी बैग बरामद किए हैं, जबकि करीब 50 मज़दूरों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

आग लगने के एक दिन बाद भी फायरफाइटर्स कई जगहों पर हॉटस्पॉट से जूझ रहे हैं और धुएं के कारण सर्च ऑपरेशन प्रभावित हो रहा है। पुलिस का कहना है कि आग इतनी तेज और व्यापक थी कि बरामद किए शरीर के अंगों की पहचान सिर्फ देखकर करना लगभग असंभव है। एक बॉडी बैग में कई लोगों के शरीर के हिस्से होने की आशंका जताई है।

पुलिस आपदा पीड़ित पहचान अधिकारी वाह्यू हिदायती ने कहा कि सात बॉडी बैग बरामद किए हैं। हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि इस आग के पीड़ितों की पहचान देखकर नहीं की जा सकती। आग पूरी तरह बुझी नहीं है और कुछ जगहों पर अब भी गर्मी और धुआं बना हुआ है। अधिकारी पहचान की प्रक्रिया को तेज करने के लिए लापता मजदूरों के रिश्तेदारों से डीएनए नमूने इकट्ठा कर रहे हैं।

आज का इतिहास

- 1165: पोप एलेक्जेंडर तृतीय निर्वासन के बाद रोम वापस लौटे।
- 1744: ब्रिटिश प्रधानमंत्री जान कार्टरे ने इस्तीफा दिया।
- 1890: इटली में आम चुनाव हुये।
- 1892: लोमानी कांगो के युद्ध में बेल्जियम ने अरब को हराया।
- 1904: अमेरिका के सेंट लुईस में तीसरे ओलंपिक खेलों का समापन।
- 1926: आध्यात्मिक गुरु सत्य साई बाबा का जन्म।
- 1930: प्रसिद्ध पार्श्वगायिका गीता दत्त का जन्म।
- 1936: फोटो पत्रकारिता में एक अलग पहचान रखने वाली पत्रिका लाइफ का पहला अंक प्रकाशित।

बेपीकोलंबो मिशन ग्रह के रहस्यों से उठेगा पर्दा, बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में काम कर रहा अंतरिक्ष यान

8 साल की यात्रा के बाद बुध की कक्षा में पहुंचे दो अंतरिक्ष यान

● लंदन

करीब 10 अरब किमी की आठ साल लंबी यात्रा पूरी करने के बाद बेपीकोलंबो अंतरिक्ष यान अपने अंतिम गंतव्य पर पहुंच गया है और अब बुध ग्रह की कक्षा में है। यह अंतरिक्ष यान बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में काम कर रहा है।

बुध सूर्य के सबसे नजदीक स्थित ग्रह है, जहां तापमान 430 डिग्री से. तक पहुंच जाता है और फिर गिरकर शून्य से 180 डिग्री से. नीचे तक चला जाता है। इसके अलावा, यह ग्रह लगातार तीव्र सौर विकिरण की चपेट में रहता है। अब तक इस ग्रह के बारे में बहुत कम जानकारी मिल पाई है, लेकिन उम्मीद है कि यह मिशन बुध के कई बड़े रहस्यों से पर्दा उठाएगा। इनमें यह पता लगाना भी शामिल है कि सूर्य के इतने करीब होने के बावजूद बुध के गड्ढों में बर्फ क्यों मौजूद है और इसकी पूरी सतह पर बिखरी रहस्यमयी गड्ढेनुमा संरचनाएं कैसे बनी हैं।

नासा के मिशन के दो अंतरिक्ष यान पहुंचे बुध ग्रह

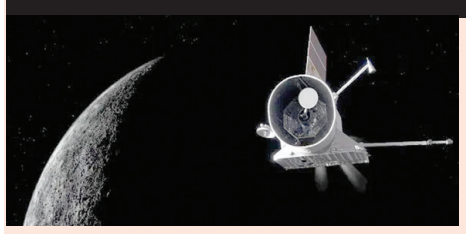

अब तक केवल दो अंतरिक्ष यान बुध तक पहुंचे हैं और दोनों अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मिशन थे। मेरिनर-10 ने 1970 के दशक में बुध के पास से तीन बार उड़ान भरी थी। इसके बाद मैसेंजर अंतरिक्ष यान 2011 में बुध पहुंचा और चार साल तक उसकी कक्षा में रहा। हालांकि, इस छोटे से ग्रह के बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। बुध का आकार चंद्रमा से थोड़ा ही बड़ा है। इसकी सतह पर प्राचीन ज्वालामुखी, ऊंची चट्टानी चट्टानें और विशाल गड्ढे मौजूद हैं। बुध पर समय का गुजरना भी बेहद दिलचस्प है। यह ग्रह सूर्य की परिक्रमा बहुत तेजी से करता है और वहां एक साल पृथ्वी के केवल 88 दिनों के बराबर होता है। लेकिन अपनी धुरी पर यह बेहद धीमी गति से घूमता है, इसलिए वहां एक दिन पृथ्वी के 59 दिनों के बराबर होता है। ध्रुवीय क्षेत्रों में स्थित गड्ढों में बर्फ की मौजूदगी का पता लगाने के अलावा यह मिशन ग्रह की सतह पर मौजूद अजीबोगरीब धंसावों का भी अध्ययन करेगा। बुध की सतह पर ऐसे हजारों धंसाव हैं। ये उथले हैं, लेकिन इनके किनारे खड़े और तीखे हैं। अक्सर ये समूहों में दिखाई देते हैं। ग्रहों के भूवैज्ञानिक पैमाने पर ये अपेक्षाकृत युवा हैं और इनकी उम्र करीब एक लाख साल आंकी गई है।

अंतिम प्रक्रिया जोखिम भरी, 37 मिनट तक कम की यान की गति

एक रिपोर्ट में इस मिशन की प्रमुख अनुसंधानकर्ताओं में शामिल लिस्टर विवि की प्रो. एम्मा बन्स के हवाले से कहा गया कि मुझे लगता है कि आंतरिक सौरमंडल में बुध ग्रह को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया गया है, लेकिन यही एक वजह है कि यह इतना दिलचस्प है। इसलिए पूरी यात्रा के दौरान इसकी गति नियंत्रित रखनी पड़ी। बुध की कक्षा में पहुंचने के लिए इसने बेहद घुमावदार रास्ता अपनाया। इस दौरान यान ने पृथ्वी की एक बार, शुक्र की दो बार और बुध की छह बार परिक्रमा की, ताकि इसकी गति इतनी कम हो सके कि यह ग्रह की कक्षा में प्रवेश कर सके। यह यात्रा सात साल में पूरी होनी थी, लेकिन बेपीकोलंबो की प्रणोदन प्रणाली में आई समस्या के कारण पहले से ही लंबी इस यात्रा में एक साल और जुड़ गया। कक्षा में प्रवेश के लिए अंतिम प्रक्रिया बेहद जोखिम भरी थी। इसमें 37 मिनट तक यान की गति को अचानक कम करने की प्रक्रिया अपनाई गई, जिससे बुध का गुरुत्वाकर्षण उसे अपनी ओर खींच सके। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि अंतरिक्ष यान से संपर्क स्थापित हो गया।

बुर्ज खलीफा पर न्यू ईयर 2027 का प्लान हुआ जारी

31 दिसंबर : पहली बार काउंटडाउन शो का हिस्सा होंगे सर्क डु सोले के 100 कलाकार

● नई दिल्ली

दुबई का बुर्ज खलीफा हर साल न्यू ईयर की रात होने वाली शानदार आतिशबाजी के लिए दुनियाभर में चर्चा में रहता है। लेकिन इस बार एमार ने न्यू ईयर 2027 के लिए एक खास कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें पहली बार सर्क डु सोले के कलाकार भी बुर्ज खलीफा के सामने होने वाले काउंटडाउन का हिस्सा होंगे।

यानी 31 दिसंबर 2026 को डाउनटाउन दुबई में होने वाले एमार न्यू ईयर 2027 समारोह में सर्क डु सोले की विशेष लाइव प्रस्तुति पेश की जाएगी। सर्क डु सोले की विशेष प्रस्तुति में करीब 100 कलाकार शामिल होंगे। इसके लिए एक फ्लोटिंग थिएटर तैयार किया जाएगा। यानी पानी के बीच तैयार मंच पर कलाकार अपनी पेशकश देंगे और पीछे बुर्ज खलीफा का शानदार नजारा दिखाई देगा।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

राजस्थान अपडेट

धरोहर, विकास और जनहित की खबर

सोमवार, 23 नवंबर, 2026

| Digital Edition | RJHIN/25/A4779



पुष्कर मेला 2026: रेगिस्तान के रंगों में जीवंत हो रही राजस्थान की संस्कृति और परंपरा

सजे-धजे ऊंटों और विदेशी सैलानियों के आकर्षण से गुलजार हुआ पुष्कर मेला

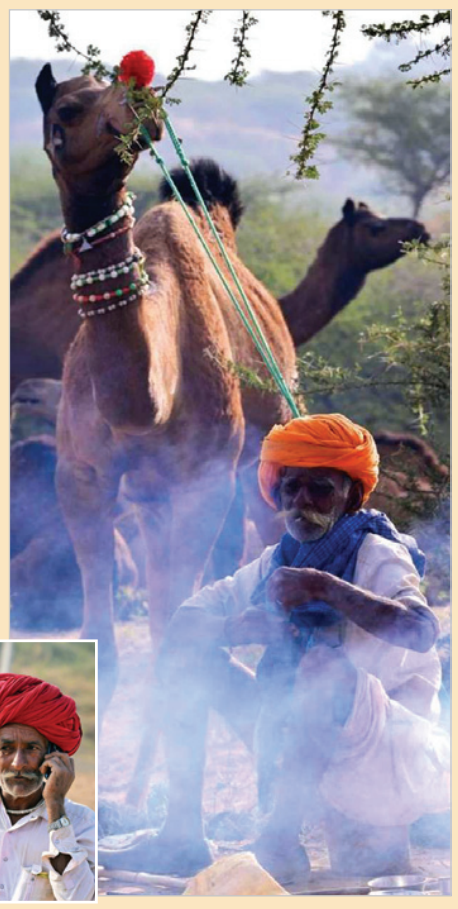

पुष्कर / जयपुर (नि.सं.)। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का प्रतीक विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला 2026 अपने अनूठे रंगों के साथ इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 17 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित हो रहे इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक, श्रद्धालु और पशुपालक पहुंच रहे हैं। पुष्कर की रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट, घोड़े, रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकें और संगीत की गूंज यहां आने वाले लोगों को राजस्थान की असली संस्कृति से रूबरू करा रही है। पुष्कर मेला पशुओं की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की लोक कला, परंपरा, खानपान व्यापार और धार्मिक विरासत का अनूठा संगम है। मेले में राजस्थान के अलग-अलग जिलों से पशुपालक अपने ऊंट, घोड़े और अन्य पशुओं के साथ पहुंच रहे हैं। ऊंटों को आकर्षक आभूषणों, रंगीन कपड़ों और पारंपरिक डिजाइनों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं। पुष्कर अपने खास खानपान के लिए भी मशहूर है। यहां रबड़ी मालपुआ, खस्ता कचौड़ी..दाल-बाटी चूरमा और ऊंटनी के दूध की चाय खासतौर पर लोगो के स्वाद का केन्द्र बनी हुई हैं।

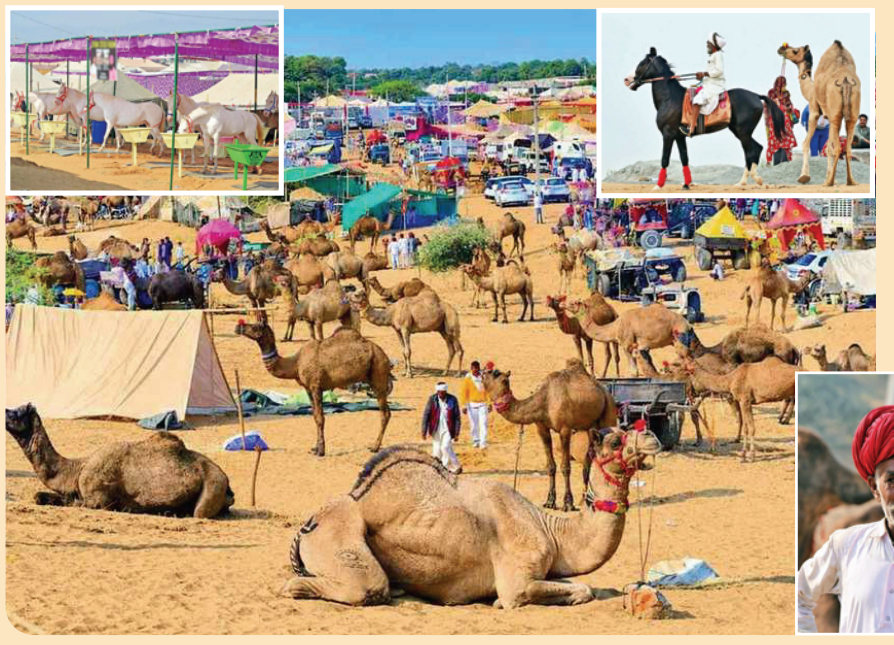

न्यूज इन बॉक्स



कानोड़िया कॉलेज की छात्राओं ने जुटाया 187 किलो प्लास्टिक कचरा

जयपुर(नि.सं.)। कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ईकाइयों द्वारा 21 नवंबर 2026 को प्लास्टिक कचरा संग्रहण अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के तहत 187 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर बिसलेरी इंडिया लिमिटेड को पुनर्नवीनीवरण एवं पुनचक्रण के लिए दिया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को यह संदेश देना था कि ÷यूज्ड प्लास्टिक कचरा नहीं है, यह पुनः उपयोग योग्य है।÷ इस पहल से यह स्पष्ट किया गया कि प्लास्टिक कचरे को सही तरीके से पुनर्नवीनीकरण किया जाए तो यह पर्यावरण के लिए हानिकारक होने के बजाय उपयोगी बन सकता है। छात्राओं और स्टाफ को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपने घरों से उपयोग की हुई प्लास्टिक की बोतलें और अन्य प्लास्टिक सामग्री इस अभियान में जमा करें। स्वयंसेविकाओं ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के महत्व को समझाया। यूज्ड प्लास्टिक को कचरे में न फेंके, उसे पुनः उपयोग में लाएं जैसे नारे लगाए गए। एकत्रित प्लास्टिक सामग्री को अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया।



जोधपुर के महिला बाग झालरा पर डिजिटल कला का अनूठा संगम

फ्रांसीसी कलाकार की 'लेट्स ड्रॉ' परियोजना ने रंगों से सजाई विरासत

जोधपुर(वि.सं.)। जोधपुर की ऐतिहासिक धरोहर महिला बाग का झालरा कला, तकनीक और रचनात्मक कल्पनाओं के अनूठे संगम का साक्षी बना। मौक़ा था पब्लिक आर्ट ट्रस्ट ओफ़ इंडिया, अलायंस फ्रांसेज़, जोधपुर नगर निगम, द जोधपुर लॉर एवं SCWEDIA के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का। यह अपने आप में अद्भुत पहल भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 के अंतर्गत आयोजित Novembre Numérique का हिस्सा रही। फ्रांसीसी कलाकार मैक्सिम टूरूट की सहभागी डिजिटल कला परियोजना 'लेट्स ड्रॉ' के तहत झालरा की दीवारों पर विशाल डिजिटल कलाकृति का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत में फ्रांस के राजदूत महामहिम डॉ. थियरी माथू ने किया। इस अवसर पर विधायक अतुल भंसाली, पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया की संस्थापक अध्यक्ष सना रिज़वान तथा अलायंस फ्रांसेज़ जयपुर की अध्यक्ष डॉ. टूलिका गुप्ता, अलायंस फ्रांसेज़ जयपुर की निदेशक संजना सरकार सहित कला एवं संस्कृति जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे।



विश्व सिंधी सम्मेलन का उद्घाटन सत्र

प्रशासन, शिक्षा और राजनीति में सिंधी समाज की बढ़े सहभागिता : देवनानी

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीव में आयोजित विश्व सिंधी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री देवनानी ने सिंधी समाज की गौरवशाली ऐतिहासिक परम्परा, सांस्कृतिक वैभव, उद्यमशीलता, सामाजिक एकजुटता तथा राष्ट्र के प्रति उसके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंधी समाज ने विस्थापन और विषम परिस्थितियों के बीच भी अपने परिश्रम, पुरुषार्थ, उद्यमिता और अदम्य संकल्प के बल पर समाज एवं राष्ट्र के विकास में विशिष्ट स्थान अर्जित किया है।



सिंधी समाज की प्रशासन शिक्षा और राजनीति में बढ़े सहभागिता

श्री देवनानी ने कहा कि भारत में सिंधी समाज की जनसंख्या एक करोड़ से अधिक है। यह समाज आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त होने के साथ ही अपनी प्रतिभा, संगठन क्षमता और उद्यमशीलता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। देश के आर्थिक विकास, व्यापार, उद्योग और सामाजिक प्रगति में सिंधी समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। समाज की इस सामर्थ्य का व्यापक उपयोग राष्ट्र निर्माण में होना चाहिए। इसके लिए प्रशासनिक, शिक्षा, राजनीति, शासन-व्यवस्था, नीति निर्धारण तथा सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सिंधी समाज की सहभागिता और अधिक सुदृढ़ होनी आवश्यक है।

नालसा के 'सुरक्षित बचपन अभियान' का द्वितीय चरण

चयनित 50 विद्यालयों के 79 प्रभारी शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण



जयपुर(नि.सं.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण , जयपुर के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'सुरक्षित बचपन अभियान' के द्वितीय चरण के तहत विद्यालय-स्तरीय क्षमता निर्माण एवं निरंतर संवेदीकरण के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर-द्वितीय द्वारा चयनित सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रभारी शिक्षकों के लिए एडीआर सेंटर जयपुर में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती पल्लवी शर्मा (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर-द्वितीय) ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत चयनित लगभग 50 सरकारी एवं निजी विद्यालयों से नामित कुल 79 शिक्षकों (यथासंभव एक पुरुष एवं एक महिला शिक्षक) को प्रशिक्षित किया गया है। सभी प्रशिक्षित शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में बाल सुरक्षा, पॉक्सो जागरूकता एवं विधिक साक्षरता के लिए रिसोर्स पर्सन डीएलएसए मेट्रो-II के रूप में कार्य कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर बच्चों के अधिकारों की रक्षा, निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता तथा संवेदनशील मामलों की समयबद्ध मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए सक्षम बनाना है।



शादी का टेंट हटाते समय पोल गिरा, बच्चे की मौत

मैरिज गार्डन में खेल रहा था मासूम, मां के साथ आया था ननिहाल

नागौर(वि.सं.)। नागौर में मैरिज गार्डन में शादी के बाद टेंट हटाने के दौरान लोहे का भारी पोल 7 साल के बच्चे पर गिर गया। इससे बच्चे की मौत हो गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सेलऊ रोड स्थित महालक्ष्मी मैरिज गार्डन में शनिवार शाम 6 बजे हुई। ASI भगवत भाकल ने बताया- यशवंत (7) पुत्र अनिल गहलोत निवासी भीकाला बास, चेनार मां के साथ ननिहाल में रिश्तेदारी में शादी में शामिल होने आया था। शनिवार दोपहर में शादी हुई थी। शादी संपन्न होने के बाद शनिवार देर शाम मैरिज गार्डन में टेंट का सामान हटाने का काम चल रहा था। इसी दौरान यशवंत गार्डन में खेल रहा था। तभी अचानक लोहे का एक पोल गिर गया। पोल सीधे बच्चे के सिर पर लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जयपुर पुलिस की अभिनव पहल

महिला सुरक्षा की दिशा में जयपुर पुलिस की अभिनव पहल, चार स्थानों पर शुरू हुए पिंक बूथ



महिलाओं और बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता

जयपुर(नि.सं.)। महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पत्रिका गेट, जवाहर सर्किल पर स्थापित महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) का उद्घाटन किया। वहीं, अशोक नगर टी-पॉइंट (महारानी कॉलेज के पास), गौरव टावर के पास तथा सिटी पार्क, मानसरोवर स्थित अन्य तीन पिंक बूथों का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। डीजीपी श्री शर्मा ने इस पहल के लिए पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल एवं जयपुर पुलिस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) की स्थापना से महिलाओं एवं बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल के साथ-साथ त्वरित सहायता भी उपलब्ध हो सकेगी। पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में जयपुर के चार प्रमुख स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिला पुलिसकर्मी सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक दो शिफ्टों में उपस्थित रहेंगी। किसी भी महिला या बालिका को आवश्यकता होने पर तत्काल सहायता, शिकायत के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक पुलिस सहयोग सुनिश्चित हो सकेगा।



चूरू में पल्स पोलियो अभियान शुरू

3.24 लाख बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य, जिले में 1,180 बूथ बनाए गए

चूरू (वि.सं.)। चूरू जिले में रविवार को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत हुई। अभियान के तहत पांच साल तक के 3 लाख 24 हजार 848 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिलेभर में 1,180 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घुमंतू समुदायों, निर्माण मजदूरों और ईंट भट्ठों पर काम करने वाले परिवारों के बच्चों तक पहुंचने के लिए विशेष व्यवस्था की है।

डीबी अस्पताल में अभियान का शुभारंभ

राजकीय डीबी अस्पताल के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा और मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रमाकांत वर्मा ने पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक तारावंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।